शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 196 | गुवाहाटी | रविवार, 16 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब तक सात हजार प्रतिष्ठानों ने एडवांटेज असम 2.0 के लिए कराया पंजीयन : सीएम — पेज 2
मुख्यमंत्री ने रूरल शोर्स बीपीओ डिलीवरी सेंटर किया समर्पित — पेज 3
पंजाब पुलिस ने डंकी रूट से लोगों को अमेरिका भेजने वाले एजेंट को... — पेज 5
2036 में ओलंपिक मेजबानी मिली तो सफल आयोजन करेंगे : अमित शाह — पेज 7

यात्रा प्रतिबंध विदेशी निवेश में बन रहा है बड़ी बाधा : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए यात्रा प्रतिबंधों को हटाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री आज राजधानी दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। एडवांटेज असम 2.0 निवेश शिखर सम्मेलन से पहले, डॉ. शर्मा ने जोर देकर कहा कि जब तक ये प्रतिबंध नहीं हटते, अंतर्राष्ट्रीय निवेशक असम में निवेश करने में रुचि नहीं ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों को असम आने की स्वतंत्रता मिलेगी, तभी वे यहां निवेश कर सकेंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के सहयोग से हमने इस दिशा में बातचीत शुरू की है। जापान और ऑस्ट्रेलिया के उच्चायोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है—जापान का एक प्रतिनिधिमंडल इसी बीच असम पहुंच चुका है और जल्द ही ऑस्ट्रेलिया का दल भी आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी दूतावास सरकार के अलावा पत्रकारों, शिक्षाविदों और अन्य विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद यात्रा सलाह पर निर्णय लेते हैं। उन्हें विश्वास है कि अगले तीन महीनों में असम को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रुचि बढ़ेगी। पर्यटन पर यात्रा सलाह के असर को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को हर साल 50 हजार विदेशी पर्यटक मिलने चाहिए, लेकिन प्रतिबंधों के कारण संख्या काफी कम है। उन्होंने कहा कि

असम में गुजरात से अधिक वन्यजीव हैं, फिर भी गुजरात में ज्यादा पर्यटक आते हैं, क्योंकि वहां ऐसी कोई यात्रा पाबंदी नहीं है। उन्होंने कहा कि एडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन राज्य को एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री की यह पहल असम को वैश्विक व्यापार के लिए अधिक आकर्षक बनाने के प्रयासों को मजबूत करगी। उधर शर्मा ने आगे कहा कि असम में पिछले तीन वर्षों में अपराधों में 66 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है और कोई प्रतिकूल घटना नहीं हुई है। उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में सुधार को रेखांकित किया। शिखर सम्मेलन में पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा और हाइड्रोकार्बन, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण, सुगंध और स्वाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालक, गतिशीलता और रसद, बांस और टिकाऊ फसल, तथा खाद्य और पेय पदार्थ सहित प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

जापान, सिंगापुर राज्य के साथ एमओयू पर करेंगे हस्ताक्षर : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम सरकार एडवांटेज असम 2.0 निवेशक शिखर सम्मेलन के दौरान जापान और सिंगापुर के साथ दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगी, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जापान असम से जनशक्ति की भर्ती करने में रुचि रखता है, शुरुआत में लगभग 50,000 कर्मचारी, जबकि सिंगापुर राज्य से नर्सों को नियुक्त करना चाहता है। एडवांटेज असम 1.0 के बाद हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एडवांटेज असम 1.0 के बाद हमें दो प्रमुख -शेष पृष्ठ दो पर

बोड़ो समुदाय को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहा एनडीए : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में आंदोलन के केंद्र रहे कोकराझाड़ में 17 फरवरी को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र और असम दोनों में

हिमंत विश्व शर्मा ने विकास के बारे में जानकारी दी और कहा कि सत्र का एक प्रमुख एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा। इस पल को अपने राजनीतिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए सीएम हिमंत विश्व शर्मा

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकारें बोड़ो समुदाय को सशक्त बनाने और बोड़ो आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। वहीं, असम के सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा -शेष पृष्ठ दो पर

माणिक साहा ने पीएम को त्रिपुरेश्वरी मंदिर परिसर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली (हि.स.)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और त्रिपुरा में पुनर्विकसित माता त्रिपुरेश्वरी मंदिर परिसर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी से लोक कल्याण -शेष पृष्ठ दो पर

सोनोवाल की गाड़ी में लगी आग सुरक्षा कर्मी ने कूदकर बचाई जान

प्रयागराज। थाने से चंद मीटर की दूरी पर शुक्रवार की रात असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल की फ्लीट से लौट रही कार में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई।

देखते ही देखते कार जलकर राख हो गई। कार में पूर्व सीएम की सुरक्षा में लगे एनएसजी कमांडो सवार थे, जिन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। सोनोवाल शुक्रवार को संगम में डुबकी लगाने प्रयागराज आए थे। शाम को ही वह सड़क मार्ग से वाराणसी गए और वहां से फ्लाइट पकड़ कर असम के लिए रवाना हो गए। फ्लीट में लगी एक कार एनएसजी कमांडो को बैठाकर रात तकरीबन दो बजे वाराणसी एयरपोर्ट से प्रयागराज लौट रही थी। झूंसी थाने से महज 500 मीटर आगे बढ़ने पर अचानक कार के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भाग्य बहादुर और कर्मठ व्यक्ति का ही साथ देता है। पीछे मुड़कर मत देखो आगे, अपार शक्ति, अपरिमित उत्साह, अमित साहस और धैर्य से ही महत्वपूर्ण कार्य निष्पन्न किए जा सकते हैं।

- आचार्य चाणक्य

4,529 संविदा शिक्षकों को नियमित नियुक्ति 58 को सहायक प्रोफेसर पद के नियुक्ति पत्र

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य के 4,529 अतिरिक्त (संविदा) शिक्षकों को नियमित शिक्षक के रूप में और 58 अभ्यर्थियों को राज्य के विभिन्न कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी -शेष पृष्ठ दो पर

एलिजाबेथ गोगोई के पाकिस्तान यात्रा की जांच करेगी एसआईटी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई के आईएसआई के साथ संबंधों के आरोप पर शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस बात की पक्की जानकारी है कि उन्होंने अपनी शादी के बाद भी पाकिस्तान की यात्रा की। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के मंत्रिमंडल की बैठख में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कथित व्यक्ति के पासपोर्ट और वीजा की जांच के लिए एक नियमित मामला दर्ज किया जाएगा और सहानुभूति रखने

वालों सहित पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास पक्की जानकारी है कि एलिजाबेथ (कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी) अपनी शादी के बाद भी पाकिस्तान गई हैं। वह सांसद के साथ गई हों या अकेले, इन बातों की पुष्टि की जाएगी। कई जानकारी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कल असम के मंत्रिमंडल की बैठक होने वाली है और संभवतः उस बैठक में हम एक एसआईटी बनाने का फैसला लेंगे, क्योंकि जब तक एक नियमित मामला दर्ज नहीं किया जाता है, तब तक -शेष पृष्ठ दो पर

आईएसआई और रॉ एक ही घर में कैसे ?

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच उनकी पत्नी के पाकिस्तान के साथ कथित संबंध को लेकर जुबानी जंग शनिवार को भी जारी रही। असम के मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले कहा था कि वह लोकसभा में कांग्रेस के विपक्ष के उपनेता पर स्पष्टीकरण चाहते हैं कि आईएसआई और रॉ एक ही घर में एक साथ कैसे रह सकते हैं? असम के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन हम चाहते -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

महाकुंभ में फिर लगी आग, कई टेंट जलकर हुए खाक

महाकुंभ नगर। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के सेक्टर 18 और 19 के बीच शनिवार को कई पंडालों में आग लग गई। जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, फायर -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में आप के तीन पार्षद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद, पार्टी ने राजधानी में *ट्रिपल इंजन* सरकार स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इस प्रयास के तहत, आम आदमी पार्टी (आप) के तीन मौजूदा पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इन पार्षदों का पार्टी में स्वागत किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इन तीनों पार्षदों को औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। यह घटनाक्रम दिल्ली की राजनीति में बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहा है, जिससे एमसीडी (नगर निगम) में भी भाजपा के -शेष पृष्ठ दो पर

कोटा में गैस रिसाव से स्कूल में अफरातफरी, 12 छात्र बेहोश

कोटा। राजस्थान के कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में शनिवार को सीएफसीएल फैक्ट्री से अमोनिया गैस के रिसाव से कई छात्र बीमार पड़ गए। रिसाव से गढ़ेपान गांव के सरकारी स्कूल के छात्र प्रभावित हुए हैं। बच्चों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से छह की हालत गंभीर थी। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक, आशुतोष शर्मा ने बताया ति जिन छात्रों को यहां रेफर किया गया था, उनकी हालत स्थिर थी। हमने उनका प्राथमिक उपचार

किया और जेके लोन अस्पताल में रेफर किया। किसी की भी हालत गंभीर नहीं थी। बताया जा रहा है कि गैस रिसाव से कुल 12 छात्र प्रभावित हुए हैं। उनमें से पांच को शुरू में कोटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, लेकिन उनकी बिगड़ती हालत के कारण बाद में उन्हें कोटा के जेके लोन अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि चंबल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) फैक्ट्री में सुबह -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव

भाजपा की ऐतिहासिक जीत सभी 10 पदों पर कब्जा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 33 जिलों के 173 निकायों में निकाय चुनाव की मतगणना शनिवार शाम लगभग अंतिम चरण में पहुंच गई है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के 10 नगर निगमों में भाजपा

मजबूत बढ़त बनाए हुए है। 15 साल बाद रायपुर में भगवा पार्टी की वापसी को चिह्नित करते हुए, भाजपा की मीनल चौबे ने कांग्रेस की दीप्ति दुबे को 1.5 लाख से अधिक वोटों से हराया। दुर्ग में भाजपा की अलका बाघमार ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमलता पोषण साहू को 67 हजार -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता से बांग्लादेश के आतंकियों को फंडिंग : एसटीएफ

कोलकाता। मिनारुल शेख और अब्बास अली को असम एसटीएफ ने दो महीने पहले मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा से पकड़ा था। बाद में संगठन के विस्फोटक विशेषज्ञ नूर इस्लाम, बांग्लादेशी नागरिक शाद रवि और अन्य को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद एसटीएफ ने इनसे गहन पूछताछ की। एसटीएफ अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि लड़खड़ाते संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए धन कहां से आ रहा था? आरोपियों के मोबाइल फोन से कई ई-वॉलेट मिले हैं। ई-वॉलेट सूत्रों के अनुसार, ये खाते केरल के अलग-अलग पतों पर

खोले गए हैं। इसमें मुर्शिदाबाद का पता भी है। जांच के दौरान जानकारी मिली है कि केरल में काम करने जाने वाले लोग मिनारुल के खाते में पैसे का एक हिस्सा भेज रहे हैं। एक व्यक्ति डेढ़ से दो हजार रुपए भेज रहा था, लेकिन जिस तरह से संगठन फैला है और जिस तरह से नूर और शाद रवि विस्फोटक बनाने के लिए विभिन्न कच्चे माल खरीद रहे थे। एसटीएफ अधिकारियों को आशंका है कि अकेले केवल केरल से पैसे नहीं आ रहा था। एसटीएफ की पूछताछ में आईईडी विशेषज्ञ नूर ने बताया कि कोलकाता के -शेष पृष्ठ दो पर

फिजूलखर्ची : ट्रंप-मस्क ने 10 हजार सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 10 हजार लोगों को नौकरी से निकाल दिया। शुक्रवार को लिए इस फैसले के पीछे कथित फिजूलखर्ची का हवाला दिया गया। अमेरिका में कुल 23 लाख सरकारी कर्मचारी काम करते हैं। इससे पहले इससे पहले 75 हजार लोगों ने ट्रंप और मस्क का बायआउट ऑफर (स्वेच्छा से नौकरी छोड़ने पर भुगतान) स्वीकार करते हुए मर्जी से सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। डोनाल्ड ट्रंप ने 11 फरवरी को कार्यकारी आदेशों पर साइन किए थे जिसमें कर्मचारियों

की छंटनी और कई पदों को खत्म करने के तरीकों को तलाशने के आदेश दिए गए थे। ट्रंप का कहना है कि केंद्रीय सरकार काफी कर्ज में डूबी हुई है और सरकार को बर्बादी और धोखाधड़ी की वजह से बहुत ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा है। अमेरिका में सेना में काम कर चुके लोग और उनके परिवार की देखरेख के लिए वेटरन विभाग है। इस विभाग के तहत उन लोगों के स्वास्थ्य और देखभाल की सुविधाएं दी जाती हैं। वेटरन विभाग ने घोषणा की है कि उसने 1,000 से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

SITUATION VACANT

Hiring Civil Engineer, Marketing Executive 10 nos for Guwahati & Hojai District.
Contact : 80112-41415, 99578-96885
assureconsultancy0707@gmail.com

अब तक सात हजार प्रतिष्ठानों ने एडवांटेज असम 2.0 के लिए कराया पंजीयन : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में 25-26 फरवरी को आयोजित होने वाले दो दिवसीय एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा देश एवं विदेशों में लगातार प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं। इस कड़ी में शनिवार को लोक सेवा भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अब तक की तैयारियों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 7 हजार प्रतिष्ठानों ने एडवांटेज असम 2.0 के लिए अपना पंजीयन कराया है। साथ ही बताया कि सम्मेलन के समापन वाले दिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हिस्सा लेंगी। सम्मेलन में देश के शीर्ष उद्योगपति हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे, जबकि 8 केंद्रीय मंत्री दो दिनों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि सम्मेलन में शीर्ष स्तर के 10 उद्योगपति भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी रोड शो करने का हमने लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन किन्हीं कारणों से यह संभव नहीं हो सका।

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ जैसी स्थिति, भारी भीड़ के चलते कई यात्री बेहोश, रेलवे ने किया इनकार

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। स्टेशन पर भीड़ ज्यादा होने की वजह से सफोकेशन की स्थिति बन गई थी। ऐसे में भीड़ में फंसे लोग बेहोश होने लगे। यह हादसा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 13-14 का है। हालांकि दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट प्लेटफार्म पर किसी तरह के भगदड़ से इनकार कर रही है। बताया जा रहा है कि बेहोश हुई 4 महिलाओं को उठाकर अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक नई दिल्ली के प्लेटफार्म नंबर 13 पर प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए ट्रेन लगने वाली थी। इस ट्रेन को पकड़ने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इसकी वजह से प्लेटफार्म पर भारी भीड़ हो गई थी। इसकी वजह से सफोकेशन की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि इस सफोकेशन की वजह से एक के बाद एक कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े। इसकी वजह से मौके पर हड़कंप मच गया। आनन फानन में रेलवे पुलिस ने चारों महिलाओं को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी स्थिति बेहतर बताई जा रही है। इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने बताया कि प्लेटफार्म पर भगदड़ जैसी कोई बात नहीं है। भीड़ अधिक होने की वजह से यह स्थिति बनी है। बता दें कि देश भर से महाकुंभ जाने वालों की भारी भीड़ हो रही है। कुछ यही स्थिति दिल्ली एनसीआर भी है। यहां से बड़ी संख्या में लोग एक पहले ही महाकुंभ जाकर डुबकी लगा चुके हैं। वहीं बड़ी संख्या में लोग अब महाकुंभ में भीड़ कम होने की सूचना पर नहाने जा रहे हैं। इसकी वजह से खूब भीड़ जुट रही है। शनिवार को महाकुंभ जाने के लिए ही नई दिल्ली स्टेशन पर भीड़ जुटी थी। भले ही पुलिस ने भगदड़ की बात को नकार दिया है, लेकिन समाचार एजेंसी ने दावा किया है कि मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई है। इस खबर के बाद रेलवे स्टेशन पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया है।

बिहार के भागलपुर में तीन लोगों की हत्या, छानबीन में जुटी पुलिस

भागलपुर (हिंस)। बिहार में भागलपुर जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र के मकनपुर गांव में तीन लोगों की हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि मकनपुर गांव के रहने वाले युवक छोटू ने बीते देर श्याम अपने चाचा सहित दो लोगों की हत्या कर दी। एक अन्य युवक को भी पीट-पीट कर जख्मी कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण वहां एकत्रित हुए। फिर आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी को बांधकर जमकर पीटा। उधर घायल आरोपी युवक की इलाज के दौरान जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय मायागंज अस्पताल में बीते देर रात मौत हो गई। तीन लोगों की हत्या की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। आरोपी मृतक छोटू के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार था। आरोपी मृतक की पिटाई से उसके चाचा राजीव राय की गांव के बाहर में मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से जख्मी जयप्रकाश की मायागंज अस्पताल में देर रात मौत हो गई। इस घटना को लेकर डीएसपी सीटी दो राकेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। एफएसएल की टीम भी जांच के लिए जुटी हुई है। घटना के पीछे का कारण पता नहीं चल पाया है। आरोपी की मौत हो गई है। वह मानसिक रूप से बीमार था। मानसिक रूप से बीमार युवक ने अपने चाचा की गला रेत कर हत्या कर दी। उसके चाचा के गले के ऊपर के भाग का पता ही नहीं चला है। इस बात की आशंका जताई जा रही है की धारदार हथियार से उसने चाचा राजीव राय का गला रेत कहीं फेंक दिया है। चाचा की हत्या करने के बाद देर शाम वह हाथ में डंडा लिए खुलेआम घूमने लगा। इस दौरान ग्रामीण जयप्रकाश उसे दिख गया और उसे पर डंडे से हमला कर दिया। उसे पीटने के बाद अपने दरवाजे पर बैठ मोबाइल देख रहे युवक छोटू कुमार पर भी हमला कर दिया। घटना के पीछे किसी प्रकार का कारण कोई नहीं बता पा रहा है। वहीं इस मामले को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक हृदयकांत ने बताया कि आरोपित मानसिक रूप से विक्षिप्त था। जिसने दो लोगों की बुरी तरह हत्या कर दी और एक युवक को डंडे से पीट कर पूरी तरह घायल कर दिया। जिसमें आक्रोशित ग्रामीणों ने विक्षिप्त युवक की पीट-पीटकर जान ले ली। पुलिस सत्यापन के हर बिंदु पर कार्य कर रही है। एफएसएल की टीम भी जांच प्रक्रिया में जुटी हुई है।

भाजपा ने नगर निगम की टिकटों में भेदभाव किया : गोयल

गुरुग्राम (हिंस)। युवा नेता गगन गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने नगर निगम चुनाव में टिकटों के आवंटन में वैश्य समाज के साथ भेदभाव किया है। गुरुग्राम नगर निगम में 36 वार्ड हैं। कई वार्ड में वैश्य समाज के नेता टिकटों की मांग कर रहे थे, लेकिन भाजपा ने 36 में से एक भी वैश्य समाज के नेता को टिकट नहीं दी।

अमेरिका से अवैध भारतीयों को लेकर आज रात अमृतसर पहुंचेगा विमान

चंडीगढ़ (हिंस)। अमेरिका में रह रहे अवैध भारतीयों को लेकर यूएसए आर्मी का एक विमान आज रात करीब 10 बजे अमृतसर में लैंड करेगा। इस पर राजनीति भी तेज हो गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विमान की अमृतसर लैंडिंग पर सवाल उठाया है। भगवंत मान के अलावा पंजाब के एनआरआई मामलों के मंत्री कुलदीप धालीवाल अमृतसर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री मान ने केंद्र की आलोचना करते हुए ऐलान किया है कि अगर विमान अमृतसर आता है तो वह स्वयं यहां आने वाले लोगों का स्वागत करेंगे। पंजाब सरकार पांच फरवरी को भारत लौटे कुछ पंजाबियों का यहां मीडिया से सामना करा सकती है। पंजाब सरकार ने अमेरिका से लौटे पंजाबियों के पुनर्वास में उनकी मदद की है।

हर भारतीय को विश्वस्तरीय चिकित्सा दिलाने सरकार की प्राथमिकता : नड्डा

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हर भारतीय तक विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पहले कैंसर जैसे इलाज के लिए घर और जमीन बिक जाती थी। अब प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना और कैंसर की दवाइयों के सस्ती होने से सभी कैंसर पीड़ित अपना इलाज करवा पा रहे हैं। जेपी नड्डा शनिवार को झज्जर के बाढ़सा के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में कैंसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार से पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एनसीआई में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट, रेडियो न्यूक्लिड थेरेपी वार्ड और नि:शुल्क जेनेरिक औषधालय जनता को समर्पित किए। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में मौजूद सुविधाओं का जायजा भी लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 1998 से पहले देश में केवल एक एम्स था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 16 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने अभी तक 22 एम्स बनाएं हैं। मेडिकल के क्षेत्र में मानवतावादी सोच के साथ अनुसंधान और नवाचार को फोकस किया गया है। सरकार लोक हित में नीति बना रही है। डॉक्टर्स, पैरा मेडिकल और वैज्ञानिक मेहनत कर रहे हैं। अब कैंसर के इलाज के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि छह साल पहले शुरू किया गया यह राष्ट्रीय कैंसर संस्थान आज वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास जरूरी : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा है कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राकृतिक खेती के पाठ्यक्रम बनाकर उन्हें लागू किए जाने चाहिए। इसके साथ ही प्रसार शिक्षा के अंतर्गत भी प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए खेत-खेत में प्रचार किया जाना चाहिए। राज्यपाल बागडे ने यह बात शनिवार को जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल इस दौरान उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए। राज्यपाल ने डॉ. जेएस संधु, पूर्व कुलपति श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की।

पृष्ठ एक का शेष

यात्रा प्रतिबंध विदेशी ...

हाल के महीनों में, शर्मा ने दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जहां उन्होंने मंत्रियों और उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात की तथा प्रत्येक देश में 100 से अधिक औद्योगिक घरानों के साथ रोड शो आयोजित किए। भूटान की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं भूटान इसलिए गया था क्योंकि वह सिंगापुर-गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी विकसित करने की कोशिश कर रहा है। गेलेफू असम से सिर्फ 8 किमी दूर है। हमने भूटान से असम में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने का अनुरोध किया क्योंकि गेलेफू में औद्योगिकीकरण की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि जो बाइडेन से डोनाल्ड ट्रंप के हाथों में सत्ता हस्तांतरण के कारण अमेरिका में रोड शो आयोजित नहीं किए जा सके। अंतर्राष्ट्रीय पहुंच से पहले, असम ने मुंबई में एक रोड शो, 11 देशों के प्रतिनिधियों के साथ एक द्विपक्षीय चैंबर बैठक, 31 सहभागी देशों के साथ एक राजदूत राउंड टेबल सम्मेलन, 40 प्रमुख उद्योगपतियों के साथ एक निवेशक राउंड टेबल सम्मेलन और बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में रोड शो आयोजित किए थे। इस शिखर सम्मेलन में कई केंद्रीय मंत्री, शीर्ष भारतीय उद्योगपति, विदेशी उद्योग जगत के नेता और विभिन्न देशों के राजदूत भाग लेंगे, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। असम चाय के 200 वर्षों के उपलक्ष्य में, राज्य सरकार 24 फरवरी को गुवाहाटी में झुमोर नृत्य समूह का आयोजन भी करेगी। 8,000 से अधिक आदिवासी (चाय जनजाति) नर्तक प्रधानमंत्री के सामने प्रदर्शन करेंगे।

जापान, सिंगापुर राज्य ...

बुनियादी ढांचे पारादीप से नुमालीगढ़ तक क्रूड पाइपलाइन का विकास मिला। केंद्र सरकार ने हमें यह विशाल बुनियादी ढांचा और गैस ग्रिड दिया। उन्होंने गेलेफू माई फुलनेस सिटी विकसित करने में भूटान की रुचि का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भूटान गेलेफू माई फुलनेस सिटी स्थापित करना चाहता है। मैं अनुरोध करता हूं कि भूटान सरकार असम में एक विशेष औद्योगिकीकरण आर्थिक क्षेत्र बनाए। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में सिंगापुर की अपनी यात्रा के दौरान मैंने वहां के राष्ट्रपति से मुलाकात की, जो असम के लिए एक पहचान है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी को एडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और उसे संबोधित करेंगे, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी एक विषयगत सत्र में भाग लेंगे। एडवांटेज असम 2.0 का आयोजन 25-26 फरवरी को किया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य एडवांटेज असम 2.0 में पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण, सुगंध और स्वाद, बांस और अन्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस कार्यक्रम में 31 देशों के राजदूतों के शामिल होने की उम्मीद है। असम के मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी सम्मेलन के समापन समारोह में आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, उद्घाटन समारोह में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, जेएसडब्ल्यू के चेयरमैन सज्जन जिंदल, मुकेश अंबानी, गौतम अडानी और उद्योग जगत के अन्य शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, वैश्विक व्यापार परिषदें जैसे कि अमेरिका-भारत व्यापार परिषद, न्यूजीलैंड-भारत व्यापार परिषद, तथा संयुक्त अरब अमीरात-भारत व्यापार परिषद, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों के साथ भाग लेंगी। शिखर सम्मेलन से पहले, असम सरकार 24 फरवरी को असम चाय और औद्योगिकीकरण के 200 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएगी, जिसमें राज्य भर से 8,000 कलाकार झुमुर नृत्य का प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि असम चाय और चाय उद्योग के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हम 24 फरवरी को झुमुर प्रदर्शन का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से कुल 8,000 कलाकार मादल की लयबद्ध ताल के साथ अपना झुमुर नृत्य दिखाने की तैयारी कर रहे हैं। लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश के साथ, एडवांटेज असम 2.0 असम के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। सरकार सीएम शर्मा द्वारा कई रोड शो और विदेश यात्राओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। इस पहल से रोजगार के अवसर पैदा होने तथा असम को दक्षिण-पूर्व एशिया में निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने की उम्मीद है।

बोड़ो समुदाय को...

कि 17 फरवरी को असम ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल करेगा, क्योंकि कोकराझाड़, जो कभी बोड़ोलैंड आंदोलन का केंद्र था, एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र आयोजित करेगा। मुख्य एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा, जिसमें राज्यपाल का अभिभाषण एक प्रमुख आकर्षण होगा। उन्होंने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री के असम के प्रति अटूट प्रेम और माननीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन से संभव हुआ है। उनका नेतृत्व शांति, स्थिरता और प्रगति की ओर हमारी यात्रा को आगे बढ़ाता रहेगा। मुख्यमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने इसका स्वागत किया और कोकराझाड़ की अपनी यात्रा को भी याद किया। पीएम मोदी ने लिखा कि केंद्र और असम दोनों में एनडीए सरकारें बोड़ो समुदाय को सशक्त बनाने और बोड़ो आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। ये कार्य और भी अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे। मुझे कोकराझाड़ की अपनी यात्रा याद आती है, जहां मैंने जीवंत बोड़ो संस्कृति देखी थी।

माणिक साहा ने पीएम ...

मार्ग, नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मिलकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को त्रिपुरा के लोगों की ओर से त्रिपुरा में पुनर्विकसित माता त्रिपुरेश्वरी मंदिर परिसर का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को फ्रांस और अमेरिका की सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ कमालपुर से संतिरबाजार वाया अंबासा, गंदा ट्विसा, अमरपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के बारे में भी चर्चा की। इसके अलावा राज्य में एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों की स्थापना की आवश्यकता से उन्हें अवगत कराया।

सोनोवाल की गाड़ी ...

एक हिस्से से धुंआ उठने लगा। जब तक कार चालक सुरेश चंद्र पुत्र भूरी सिंह निवासी हाथरस कुछ समझ पाता, कार से लपटें उठने लगीं। सुरेश के साथ ही एनएसजी के कमांडो ने कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई तो तत्काल दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लिया। हादसे में गाड़ी के साथ ही वायरलेस सेट भी जलकर राख हो गया था। घटना से आधी रात को प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर अफरातफरी मच गई थी। शनिवार को चालक सुरेशचंद्र की तहरीर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

4,529 संविदा शिक्षकों ...

को दूर करने के उद्देश्य से 2010 में 8,000 रुपए मासिक मानदेय पर अतिरिक्त (संविदा) शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। 2012 में इनका मानदेय 15,500 रुपए और 2018 में 20,000 रुपए किया गया। 2020 से इन्हें स्नातक शिक्षकों के समान वेतन और सुविधाएं देने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और इन शिक्षकों के योगदान को मान्यता देने के लिए उन्हें नियमित नियुक्ति दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियमित नियुक्ति के बाद शिक्षकों को सरकारी कर्मचारी के रूप में सभी सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा, वे वरिष्ठता के आधार पर प्राचार्य और उप-प्राचार्य पदों के लिए योग्य होंगे। 2026 से उन्हें पारस्परिक स्थानांतरण (म्यूचुअल ट्रांसफर) की सुविधा भी मिलेगी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. रणोज पेगू, उच्च शिक्षा और विद्यालय शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कोंवर, माध्यमिक शिक्षा संचालक ममता होजाई सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एलिजाबेथ गोगोई के ...

इसमें कथित रूप से शामिल व्यक्ति के पासपोर्ट और वीजा की जांच नहीं की जा सकती। शर्मा ने कहा, हम सहानुभूति रखने वालों सहित पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की भी जांच करेंगे। हम विस्तृत जांच करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की भी जांच की जांच आवश्यकता है कि क्या उस अवधि के दौरान आईएसआई ने असम के मुख्यमंत्री कार्यालय में घुसपैठ का प्रयास किया था। अभी इसकी भी जांच होनी है। हिमंत विश्व शर्मा और गौरव गोगोई की एलिजाबेथ के पाकिस्तानी एजेंसी के साथ कथित संबंधों को लेकर जुबानी जंग चल रही है। शर्मा ने शुक्रवार को कहा था कि वह लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई से स्पष्टीकरण चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा था, आईएसआई और आरएंडडब्ल्यू एक ही घर में एक साथ कैसे रह सकते हैं? हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि तथ्य सामने आएं। मेरे कुछ सवाल हैं। पहला, क्या यह सच है या झूठ कि सांसद की पत्नी पाकिस्तान में काम करती थीं? दूसरा, क्या उन्होंने भारतीय नागरिकता ली है या नहीं। तीसरा, अगर सांसद इस दौरान पाकिस्तान गए थे और पाकिस्तान के राजदूत से मुलाकात के दौरान उन्होंने विदेश मंत्रालय से अनुमति ली थी या नहीं? आईएसआई और आरएंडडब्ल्यू एक ही घर में कैसे रह सकते हैं? आईएसआई पाकिस्तान है और आरएंडडब्ल्यू भारत है, उनका एकसाथ रहना संभव नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक वर्ग की ओर से गौरव गोगोई की पत्नी की *विदेशी नागरिकता* पर सवाल उठाए जाने और उन पर आईएसआई से संबध रखने के आरोप लगने के बाद कांग्रेस सांसद विवाद के केंद्र में आ गए हैं। उन्होंने दस साल पहले 2015 में गोगोई की भारत में तत्कालीन पाकिस्तान के उच्चायुक्त के साथ हुई बैठक पर भी सवाल उठाया। गौरव गोगोई ने गुरुवार को इन आरोपों को *हास्यास्पद* बताते हुए खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि अगर मेरी पत्नी पाकिस्तान की आईएसआई की एजेंट हैं, तो मैं भारत की आरएंडडब्ल्यू का एजेंट हूं। मुझे कोई आपत्ति नहीं है अगर एक परिवार जिसके खिलाफ कई मामले और आरोप हैं, वह मुझ पर आरोप लगाता है। असम के मुख्यमंत्री केवल अपने ऊपर लगे आरोपों से ध्यान भटकाने के लिए ये आरोप लगा रहे हैं। गौरव गोगोई ने यह भी कहा था कि वह उनके और उनकी पत्नी के खिलाफ भाजपा के कथित दुर्भावनापूर्ण और बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे। गोगोई ने गुरुवर को शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा था कि शर्मा बैचेन हैं और उन्हें अपनी कुर्सी को लेकर संदेह है।

आईएसआई और रॉ ...

हैं कि कुछ तथ्य सामने आएं। मेरे कुछ सवाल हैं। अगर सांसद इस दौरान पाकिस्तान गए थे और पाकिस्तान के राजदूत से मुलाकात के दौरान उन्होंने विदेश मंत्रालय से अनुमति ली थी या नहीं? आईएसआई और रॉ एक ही घर में कैसे रह सकते हैं? बता दें, शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक वर्ग द्वारा गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई की विदेशी नागरिकता पर सवाल उठाए जाने और उन पर आईएसआई के साथ संबंध रखने का आरोप लगाए जाने के बाद गौरव गोगोई विवाद के केंद्र में आ गए हैं। उन्होंने उस बैठक पर भी सवाल उठाया जो गोगोई ने दस साल पहले 2015 में भारत में तत्कालीन पाकिस्तानी उच्चायुक्त के साथ की थी। हालांकि, कांग्रेस के सांसद ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असम के मुख्यमंत्री पर अपनी स्थिति को लेकर *बेचैन* और असुरक्षित होने का आरोप लगाया। आरोपों को *हास्यास्पद* बताते हुए, गौरव गोगोई ने गुरुवार को कहा कि अगर मेरी पत्नी पाकिस्तान की आईएसआई एजेंट है, तो मैं भारत का रॉ एजेंट हूं। अगर एक परिवार जिसके खिलाफ कई मामले हैं और कई आरोप हैं, वह मेरे खिलाफ आरोप लगाता है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। असम के मुख्यमंत्री केवल अपने खिलाफ आरोपों से ध्यान भटकाने के लिए ये आरोप लगा रहे हैं।

दिल्ली में आप के ...

प्रभाव को मजबूती मिल सकती है। भाजपा में शामिल हुए आम आदमी पार्टी के जो पार्षद में एंड्रयूज गंज से पार्षद अनीता बसोया, आरके पुरम से पार्षद धर्मवीर और चपराना वार्ड 152 से पार्षद निखिल शामिल हैं। दिल्ली विधानसभा में जीत के बाद अब भाजपा की नजर एमसीडी चुनाव पर भी हैं। बता दें कि इसी साल अप्रैल में दिल्ली नगर निगम के मेयर का चुनाव होना है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद अब एमसीडी में भी भाजपा का पलड़ा भारी होगा। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटें हासिल की हैं तो वहीं आप के खाते में 22 सीटें आई हैं।

कोटा में गैस रिसाव ...

करीब 11 बजे गैस रिसाव हुआ। हाई सेकेंडरी स्कूल में छात्रों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कुछ ही देर में उनमें से कुछ बेहोश हो गए, जिससे स्कूल में दहशत फैल गई। अराजकता फैल गई और अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। सीएफसीएल एक फैक्ट्री है जो यूरिया खाद का उत्पादन करती है। नवीनतम अपडेट के अनुसार, प्रभावित छात्रों का पहले फैक्ट्री परिसर में संचालित अस्पताल में इलाज किया गया। यह भी पता चला कि कुछ छात्राएं स्कूल परिसर में पानी लेने गई थीं, तभी उन्हें घुटन और बेचैनी महसूस होने लगी। उनकी हालत बिगड़ गई और उन्होंने स्कूल स्टाफ को सांस लेने में दिक्कत के बारे में बताया। खबर मिलने पर कोटा जिला कलेक्टर रवींद्र गोस्वामी घटनास्थल पर पहुंचे और फैक्ट्री और उपखंड प्रशासन से जानकारी जुटाई।

भाजपा की ऐतिहासिक...

वोटों से हराया। बिलासपुर में भाजपा की पूजा विधानी ने कांग्रेस के प्रमोद नायक पर 66179 वोटों से बड़ी जीत हासिल की। इसी तरह कोरबा में भाजपा प्रत्याशी संजू देवी राजपूत ने कांग्रेस की उषा तिवारी को 52 हजार वोटों से हराया। रायगढ़ में भी भाजपा की जोरदार जीत हुई, जहां जीवनवर्धन चौहान ने कांग्रेस की जानकी काटजू को 34,365 वोटों से हराया। राजनांदगांव में भाजपा के मधुसूदन यादव ने निखिल द्विवेदी को 43,500 वोटों से हराया। इस जीत पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा कि छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रदेश अध्यक्ष और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। विष्णुदेव साय ने कहा कि आज भाजपा और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के लिए ऐतिहासिक दिन है। हम कह सकते हैं कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा क्योंकि नगर निगम चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। यहां के मतदाताओं ने भाजपा पर भरोसा जताया है।

कोलकाता से बांग्लादेश ...

मटियाब्रुज इलाके से उनके पास पैसे आ रहे हैं। वहां एबीटी से सहानुभूति रखने वाले लोग पैसे मुहैया करा रहे हैं। नूर ने जांचकर्ताओं को बताया कि मिनारुल और अब्बास उसके निर्देश पर 2024 में मेटियाब्रुज इलाके में गए थे। इस इलाके में इन दोनों आतंकियों का पहले से परिचित एक व्यक्ति है। उससे संपर्क कर इन दोनों ने बताया कि उन्होंने मुर्शिदाबाद में एबीटी को फिर से खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। संगठन के सदस्यों के घर में या किसी के घर को किराए पर लेकर मदरसे बनाए जा रहे हैं और वहां ट्रेनिंग चल रही है, लेकिन वे जमीन खरीदकर खारिजी मदरसा बनाना चाहते हैं। इसके लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। दूसरी ओर भारत-बांग्लादेश की सीमा पर सख्त चौकसी है। इस कारण बांग्लादेश से पैसे नहीं आ रहे हैं। नूर के सुझाव पर मिनरुल ने एक पैड छापा। इसमें लिखा है कि खारिजी मदरसा के निर्माण में मदद करें। मिनरुल के जानकार और उसके करीबी कई व्यापारियों ने पैसे के बारे में बातचीत की, जब वे सहमत हो गए तो मिनारुल और सब्बीर को मेटियाब्रुज के निवासी अपने साथ ले गए। सूत्रों के मुताबिक, वहां से वे पांच लाख रुपए लेकर मुर्शिदाबाद लौट आए। बाद में कई बार और आए और पैसे ले गए। जांच में पता चला है कि खगरागढ़ विस्फोटों के दौरान मेटियाब्रुज के कई व्यापारियों ने जेएमबी को पैसे से मदद की थी। जासूसों को संदेह है कि यह इलाका एबीटी को बढ़ावा देने के लिए धन मुहैया करा रहा है। भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि पश्चिम बंगाल आतंकवादियों का गढ़ नहीं, बल्कि मुख्य आधार है। उन्होंने कहा किममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति ने एक खास समुदाय को पश्चिम बंगाल में स्वर्ग जैसा अहसास कराया है, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एसटीएफ को यहां क्या पता चला है। उनकी जड़ें बहुत गहरी हैं और उसे उखाड़ा नहीं जा सकता। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि वह इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, क्योंकि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।

फिजूलखर्ची : ट्रंप-मस्क...

कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जबकि अमेरिकी वन सेवा ने 3,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना बनाई है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को कुछ सरकारी सूत्रों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में पूरे सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्तगी संबंधी ईमेल भेजे गए हैं, जिनमें से अधिकतर हाल ही में नियुक्त कर्मचारी हैं, जो अभी भी प्रोवेशन पीरियड में हैं। इसके अलावा आंतरिक, ऊर्जा, सैन्य मामले, कृषि, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभागों सहित कुछ एजेंसियों ने छोटे पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों को निशाना बनाया है। कई स्वतंत्र संस्था को तो बंद तक कर दिया गया है। ट्रम्प ने लगातार बढ़ रही इस पहल का बचाव करते हुए तर्क दिया कि संघीय सरकार बहुत ज्यादा दबाव में है, और बहुत ज्यादा पैसा बर्बाद हुआ है। संघीय सरकार पर पिछले साल 36 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज और 1.8 ट्रिलियन डॉलर का घाटा था, इसलिए सरकार में सुधार की ज़रूरत पर दोनों दलों की आम सहमति है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, लगभग 280,000 सरकारी कर्मचारियों को दो साल से भी कम समय पहले काम पर रखा गया था, जिनमें से अधिकांश अभी भी प्रोवेशन पर हैं, जिससे उन्हें बर्खास्तगी का अधिक खतरा है। हालांकि 14 राज्यों के नागरिक ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ अदालत पहुंच गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मस्क अपने अभियान को प्रबंधित करने के लिए कम सरकारी अनुभव वाले युवा इंजीनियरों के एक समूह पर भरोसा कर रहे हैं और उनकी शुरुआती कटौती लागत कम करने की तुलना में विचारधारा से अधिक प्रेरित प्रतीत होती है।

महाकुंभ में फिर ...

ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की वजह का फिलहाल पता नहीं चल सका है, लेकिन शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग महाराजा भोग नामक खान-पान की दुकान से लगी थी, जिससे कई पंडालों को नुकसान हुआ। प्रयागराज मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना पर डीआईजी महाकुंभ वैभव कृष्ण ने कहा कि आग पूरी तरह से नियंत्रण में है। यह सेक्टर 19 में कल्पवासियों द्वारा खाली किए गए कुछ पुराने टेंटों में लगी थी। किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। इससे पहले 9 फरवरी को भी महाकुंभ मेले में आग लगने की एक घटना सामने आई थी। तब सेक्टर 18 के शंकराचार्य मार्ग पर स्थित एक शिविर में आग लग गई थी। उस घटना में भी कई टेंट जलकर राख हो गए थे, लेकिन गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया था। महाकुंभ मेले में आग लगने की ये पहली घटना नहीं है। 30 जनवरी को भी सेक्टर-22 में आग लगी थी, जिसमें 15 टेंट जल गए थे। इसके अलावा 19 जनवरी को सेक्टर-19 में एक और आगजनी की घटना हुई थी, जिसमें 18 शिविर जलकर खाक हो गए थे। हालांकि, इन सभी घटनाओं में फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई की और किसी प्रकार की जनहानि को टाल लिया।

मुख्यमंत्री ने रूरल शोर्स बीपीओ डिलीवरी सेंटर किया समर्पित

गुवाहाटी में केंद्र स्थापित करने के लिए सद्गुरु श्री मधुसूदन साई को धन्यवाद : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज गुवाहाटी में रूरल शोर्स बीपीओ डिलीवरी सेंटर का उद्घाटन किया। यह केंद्र ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली एक राष्ट्रव्यापी सामाजिक पहल है। रूरल शोर्स बीपीओ डिलीवरी सेंटर ग्रामीण भारत में रोजगार सृजन के लिए समर्पित एक सामाजिक-व्यावसायिक पहल है। यह कम सुविधा प्राप्त शिक्षित ग्रामीण युवाओं को स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है, साथ ही कॉर्पोरेट जगत को ग्रामीण प्रतिभाओं तक पहुंच प्रदान करता है। यह श्री मधुसूदन साई ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन मिशन की पहल है, जो वर्तमान में आठ राज्यों के 12 केंद्रों में तीन हजार से अधिक कर्मचारियों को सशक्त बना रहा है। इसके बीपीओ विभिन्न सेवाओं जैसे कंटेंट मॉडरेशन, डेटा एनोटेशन, डेटा टैगिंग, सोशल और डिजिटल मीडिया मॉनिटरिंग, बीमा दस्तावेज सत्यापन, ई-मेल और चैट प्रबंधन, दस्तावेज डिजिटलीकरण आदि प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इस अवसर पर सद्गुरु श्री मधुसूदन साई को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि यह बीपीओ न केवल ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करेगा, बल्कि राज्य के युवाओं को सशक्त बनाकर उनके राज्य से बाहर प्रवासन को भी रोकेगा। उन्होंने सद्गुरु श्री मधुसूदन साई से अनुरोध किया कि वे राज्य भर में ऐसे और बीपीओ केंद्र स्थापित करें, क्योंकि राज्य सरकार ऐसे केंद्रों के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि ये सेवा केंद्र राज्य के कुशल युवाओं को स्थानीय स्तर पर सार्थक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होंगे। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. रणोज पेगु भी उपस्थित रहे।

एडवांटेज असम 2.0 पर मंत्री बिमल बोरा ने की मंत्रिस्तरीय चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर के सबसे बड़े निवेशक और अवसंरचना शिखर सम्मेलन *एडवांटेज असम 2.0: इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टर्स समिट* की तैयारियां जोरों पर हैं। यह शिखर सम्मेलन 25 और 26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होगा। इस संबंध में असम के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के मंत्री बिमल बोरा ने आज अपने कार्यालय के सम्मेलन हॉल में एक समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री केशव महंत और नंदिता गार्लोसा भी उपस्थित थीं। बैठक के दौरान प्रदर्शनी, संपर्क एवं आमंत्रण, प्रोटोकॉल, आवास, परिवहन, बजट, स्थल और आयोजन प्रबंधन सहित विभिन्न समितियों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में आईसी एंड पीई विभाग के सचिव डॉ. लक्ष्मणन एस, एआईडीसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मवेंद्र प्रताप सिंह, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त ओइनाम सरनकुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने एआईसीसी सचिव मनोज चौहान के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला कराया दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव और पार्टी के राज्य सह-प्रभारी मनोज चौहान के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया है। यह मामला गुवाहाटी के कामरूप (मेट्रो) के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में दायर किया गया। 11 फरवरी को गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान चौहान ने आरोप लगाया था कि डॉ. शर्मा ने दुबई और सिंगापुर में शॉपिंग मॉल और होटल व्यवसाय में निवेश किया है। इन आरोपों को बेबुनियाद और असत्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने अब आपराधिक मानहानि का मामलादर्ज कराया है। डॉ. शर्मा की याचिका पर अदालत ने मामला सीआर 78/2025 के तहत दर्ज कर लिया है और एआईसीसी सचिव को पूर्व संज्ञान नोटिस जारी किया है। साथ ही, अदालत ने चौहान को 17 मार्च को पेश होने का समन भेजा है। इस बीच, डॉ. शर्मा ने कांग्रेस नेता के खिलाफ सिविल मानहानि का मुकदमा दायर करने का भी फैसला किया है।

राज्यभर में हाईस्कूल की परीक्षा शुरू हुई

गुवाहाटी (हिंस)। असम में शनिवार से हाईस्कूल की परीक्षाएं आरंभ हो गई हैं। परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू हुई। पहले दिन का परीक्षा पेपर अंग्रेजी विषय का है। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों की भारी भीड़ देखी गयी। इस बीच कुछ परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न-पत्र देरी से पहुंचने को लेकर काफी हंगामा भी देखा गया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। इस बार हाईस्कूल की परीक्षा राज्य में 944 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। 4,29,448 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। इनमें से 1,90,653 छात्र हैं और 2,38,795 छात्राएं हैं। इस बार परीक्षा देने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ी है। इस वर्ष 8,720 परीक्षार्थियों की वृद्धि हुई है। जिसके लिए इस वर्ष की परीक्षा में 31 परीक्षा केंद्रों की वृद्धि की गई है। इस बार पहली बार ओएमआर शीट चार विषयों में होगी। हाईस्कूल परीक्षा के मद्देनजर आज सुबह प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर माता-पिता की भीड़ देखी गई। प्रशासन ने परीक्षा के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये हैं। साथ नकल मुक्त परीक्षा बनाने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था भी की गई है।

राज्यपाल आचार्य ने नेशनल इंटीग्रेशन टूर दल से की बातचीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को गुवाहाटी स्थित राजभवन में अरुणाचल विश्वविद्यालय, नामसाई की 30 छात्राओं के एक दल से मुलाकात की। ये छात्राएं असम राइफल्स द्वारा आयोजित नेशनल इंटीग्रेशन टूर का हिस्सा थीं। राज्यपाल आचार्य ने इस दौरान ऐसे दौरों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इनसे प्राप्त सीख को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लागू किया जा सकता है। उन्होंने *वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर के सिद्धांत और एक भारत श्रेष्ठ भारत* की परिकल्पना को दोहराते हुए देश में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने पर जोर दिया। भारत की विविधता में एकता की परंपरा को रेखांकित करते हुए आचार्य ने इसकी समृद्ध सांस्कृतिक एवं भाषाई विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि वे विभिन्न समुदायों को बेहतर समझने के लिए स्थानीय भाषाओं को अपनाएं और सीखें। उन्होंने कहा कि *हम सभी एक हैं* और राष्ट्रीय एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। राज्यपाल ने युवाओं को कड़ी मेहनत, संकल्प और अनुशासन के साथ अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने प्रेरणादायक व्यक्तित्वों की जीवनगाथाएं पढ़ने के लिए भी प्रेरित किया और कहा कि बड़ा लक्ष्य रखें और अपने सपनों को साकार करने के लिए अथक परिश्रम करें। इसके अलावा, आचार्य ने असम राइफल्स द्वारा नेशनल इंटीग्रेशन टूर के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह दौरा 11 असम राइफल्स द्वारा मुख्यालय 25 सेक्टर असम राइफल्स/मुख्यालय आईजीएआर (एन) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

हथनी की मौत से होजाई में शौक की लहर

होजाई। होजाई के कुमराकाटा संरक्षित वनांचल में रहस्मयी परिस्थिति में पड़ी एक हथनी हाथी की दिन में 2 बजे के आस-पास मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हथनी की मौत की खबर वन विभाग को मिलते ही वन विभाग के चिकित्सक दल उक्त स्थान पर पहुंचे व हाथीनी की जांच की। वहीं स्थानीय लोगों को संदेह है कि खाद्य में विषजाती कुछ मिले होने के चलते शायद हथनी की मौत हुयी हो। वन विभाग के हथनी की मौत की जांच के बाद ही पता चल पाएगा की हाथनी की मौत की वजह क्या है।

गौरव गोगोई के संगठन ने बीएसएफ की छवि धूमिल की : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के संगठन पर भारत की सुरक्षा एजेंसियों को बदनाम करने का आरोप लगाया है। पार्टी प्रवक्ता लक्ष्य कुंवर ने आज कहा कि कांग्रेस, गौरव गोगोई और उनकी पत्नी पर लगे गंभीर आरोपों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है, लेकिन जनता इस प्रचार से गुमराह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि गोगोई दंपति को इन आरोपों पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। नवीनतम् साक्ष्यों के अनुसार, 10 जुलाई, 2015 को *यूथ फोरम ऑन फॉरेन पॉलिसी* (वाईएफपीपी) द्वारा प्रकाशित एक लेख में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को मानवाधिकार उल्लंघन करने वाला बताया गया था। इसमें भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात बीएसएफ कर्मियों पर अवैध घुसपैठ रोकने के नाम पर बांग्लादेशी नागरिकों की निर्मम हत्या करने का आरोप लगाया गया। लेख में दावा किया गया कि बीएसएफ ने अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर 1,000 से अधिक निर्दोष बांग्लादेशी नागरिकों की हत्या की। भाजपा ने कहा कि असम की जनता को तय करना होगा कि सीमाओं की रक्षा करने वाला बीएसएफ असम का सच्चा हितैषी है या गोगोई का संगठन। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस लेख के माध्यम से बीएसएफ को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने का प्रयास किया गया है और गोगोई को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसके अलावा, भाजपा ने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी ने दावा किया कि वह पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के अधीन काम कर चुकी हैं, जो लंबे समय से भारत विरोधी बयान देते रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि गोगोई को इस राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

पुलिस ने मानव तस्करों के चंगुल से 14 लोगों को छुड़ाया

मुख्य आरोपी नजरूल इस्लाम गिरफ्तार चढ़ा पुलिस के हत्थे

रंगिया (निसं)। रंगिया पुलिस स्टेशन के प्रभारी नवजीत नाथ की देखरेख में, रंगिया पुलिस ने मानव तस्करों के चंगुल से 14 व्यक्तियों को बचाया और मुख्य आरोपी नजरूल इस्लाम उर्फ पॉकेट को गिरफ्तार कर लिया। एक सूचना के आधार पर, रंगिया पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी नवजीत नाथ को जानकारी मिली कि कई व्यक्तियों को एक खाश घर में बंद रखा गया है ताकि उन्हें अन्य राज्यों में ले जाया जा सके। तुरंत, पुलिस अधिकारी ने पुलिस की एक टीम के साथ उस विशेष घर पर छापा मारा और असम के विभिन्न अंचलों से एकत्रित 14 व्यक्तियों को बचाने में सफल रहे। पुलिस ने तुरंत नजरूल इस्लाम उर्फ पॉकेट नामक मानव तस्करी के मुख्य अभियुक्त को पकड़ लिया। पुलिस ने बचाए गए व्यक्तियों को उनके घरों में वापस भेजने की व्यवस्था की और गिरफ्तार नजरूल से पूछताछ कर रही है। महत्वपूर्ण खबर यह है कि एक समय में रंगिया पुलिस का सबसे वांछित पॉकेट कई आपराधिक मामलों में शामिल था। ऐसे कई मामलों के लिए उसको हिरासत में भी लिया गया और जेल भेजा गया था। जेल से बाहर आने के बाद पॉकेट ने राज्य के बाहर मानव तस्करों का व्यवसाय शुरू कर दिया।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

गोलाघाट (हिंस)। जिला के बोकाखात इलाके में शनिवार की सुबह एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। महिला की पहचान इलाके की 60 वर्षीय मणि बराइक के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मणि बराइक प्रतिदिन की तरह अपनी नातिन को बोकाखात चाय बगान के प्राथमिक विद्यालय में पहुंचाने के बाद अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान एक बोलेरो पिकअप (एएस-03सीसी-1476) ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें गंभीर हालत में चाय बागान के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनका परीक्षण किया और बेहतर उपचार के लिए उन्हें बोकाखात के शहीद कमला मिरी उप-डिविजनल अस्पताल भेजा दिया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।बोकाखात पुलिस थाने के पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

अवैध निर्माणों को हटाने के लिए पूसीरे का व्यापक अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अपने क्षेत्राधिकार में रेलवे जमीन पर अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए सक्रिय रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा है। अपने परिसर में रेलवे कार्यों की सुरक्षा, संरक्षा और सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, पूसीरे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) समय-समय पर प्रमुख रेलवे स्थानों पर जांच और अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाती है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि हाल ही में, इंजीनयरिंग विभाग ने आरपीएफ/पूसीरे के सहयोग से 11 फरवरी को जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 60-70 अनधिकृत गैर-कंक्रीट *कच्चा* निर्माण को ध्वस्त किया गया। यह प्रमुख कदम रेलवे की संपत्ति को अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए पूसीरे के निरंतर प्रयासों को प्रमाणित करता है। इस बीच 23 जनवरी को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे कॉलोनी में भी इसी तरह का एक अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक अवैध निर्माण को हटाया गया। यह कार्रवाई रेल परिसर को साफ रखने, निर्बाध रेलवे परिचालन सुनिश्चित करने और सुरक्षा जोखिम पैदा करने वाली अनधिकृत बस्तियों को रोकने में महत्वपूर्ण हैं। पूसीरे का आरपीएफ अतिक्रमण को बढ़ने से पहले ही रोकने के लिए नियमित निगरानी और निवारक उपाय करती है। जागरूकता अभियान, निगरानी गश्त एवं सख्त प्रवर्तन कार्य पूसीरे और इसकी सुरक्षा इकाई द्वारा अनधिकृत अतिक्रमण को रोकने के लिए अपनाए गए रणनीतिक कदमों का हिस्सा हैं। रेलवे की जमीन और संपत्ति को अतिक्रमण से मुक्त करने के अपने मिशन में पूसीरे दृढ़ है। यात्रियों और स्टेकधारकों को रेलवे अधिकारियों के साथ सहयोग करने और रेलवे की संपत्ति पर किसी भी अनधिकृत कब्जे की सूचना देने का आग्रह करती है। रेलवे की बुनियादी संरचना को यथावत बनाए रखने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और ट्रेनों एवं यात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए बाधा रहित रेलवे नेटवर्क प्रदान करने को प्रतिबद्ध है।

नशा तस्कर, चोर और लापता नाबालिग बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में नशा तस्करों, चोरों को गिरफ्तार किया और दो लापता नाबालिगों को बरामद किया। पुलिस मुख्यालय से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार बशिष्ठ थाना पुलिस ने बालूघाट इलाके में छापेमारी कर सलीम अहमद (32) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 123.46 ग्राम हेरोइन (11 साबुनदानी में), एक स्कूटी और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ। वहीं, फाटासिल आमबारी थाना पुलिस ने लक्ष्मण बसुमतारी (35) को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 8.849 किग्रा गांजा बरामद हुआ। इनके अलावा पानबाजार थाना पुलिस ने 2 नंबर रेलवे गेट पर अभियान चलाकर कोसिमुद्दीन (24), रितु बर्मन (29) और जॉन बोर (23) को पकड़ा। इसी कड़ी में पुलिस ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से दो लापता नाबालिगों को बरामद किया, जो गुरुवार से पानीखाईती से लापता थे।

रंगिया में स्वेच्छासेवी संस्था *अन्बेशा* के सौजन्य से विशेष कैलेंडर का विमोचन

रंगिया (विभास)। स्वेच्छासेवी संस्था *अन्बेशा* के सौजन्य से तथा डेंटी क्यूर, रंगिया के सहयोग से शनिवार को एक विशेष कैलेंडर का उन्मोचन किया गया। इस मौके पर रंगिया नगर के डेंटी क्योर प्लस प्रांगण मे आयोजित कार्यक्रम में सेना के रेड हॉर्न डिवीजन के लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसून गोस्वामी ने आधिकारिक तौर पर इसका उन्मोचन किया। उल्लेखनीय है कि इस कैलेंडर में रंगिया के शिक्षा-साहित्य-राजनीति और सामाजिक जीवन में विशेष योगदान देने वाले 12 अग्रणी व्यक्तियों के कर्म जीवन की जानकारी शामिल है। कार्यक्रम के दौरान अपने भाषण में सेना अधिकारी गोस्वामी ने स्वेच्छासेवी संस्था अन्बेशा के इस पहल की सराहना की और कहा कि मनुष्य को कर्म से अमरत्व प्राप्त होता है। सामाजिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी लोगों को हम नमन करते है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रंगिया के सामाजिक जीवन में विशेष योगदान देने वाले पुरोधा व्यक्ति कामिनी मोहन शर्मा, शांतिराम लहकर, दुर्गादत्त अग्रवाल सहित 12 लोगों के कर्म जीवन की जानकारी से समृद्ध यह कैलेंडर युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि मैंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में समय बिताया है किंतु रंगिया के लोगों के सोचने और काम करने का तरीके सबसे अलग है। कामरूप जिला पत्रकार संघ के सचिव प्रकाश डेका और रंगिया महाविद्यालय की अध्यापिका रानू चौधुरी द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता पवित्र कलिता ने भाग लिया जिन्होंने स्वेच्छा सेवी संस्था अन्वेशा के अध्यक्ष डॉ. खबीरुद्दीन अहमद सहित सभी कार्यकर्ताओं के इस प्रयास की सराहना की। रंगिया महाविद्यालय की अध्यापिका रानू चौधुरी तथा अन्वेशा की पदाधिकारी परिस्मिता शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ उन्मोचन कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मेघना गोस्वामी, लेखिका समारोह समिति की सलाहकार गौरी प्रभा महंत, कवि उज्वल डेका, रूपही रंगिया के अध्यक्ष अरूप दास सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टीपीएफ का *पैनल डिस्कसन ऑन यूनियन बजट एंड इनवेस्टमेंट प्लानिंग* आयोजित

गुवाहाटी। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), गुवाहाटी के तत्वावधान में दिनांक 13 फरवरी 2025, वृहस्पतिवार को सायं 6:00 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में *पैनल डिस्कसन ऑन यूनियन बजट एंड इनवेस्टमेंट प्लानिंग* का सफल एवं सार्थक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुआ। स्वागत भाषण टीपीएफ, गुवाहाटी के अध्यक्ष सीए पंकज भूरा ने दिया। इस कार्यक्रम में मध्यस्थ की भूमिका में टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीए मनोजजी नाहटा थे। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित सीए सुनीलजी शर्मा ने डायरेक्ट टैक्स, सीए रागिनी गोयल ने इनडायरेक्ट टैक्स, नरेंद्रजी सुराणा ने इंवेस्टमेंट प्लानिंग एवं सीए मोहन अग्रवाल ने प्रोफेशनल टैक्स पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में लगभग 60 सहभागी उपस्थित थे, जिन्हें इस कार्यक्रम के माध्यम से टैक्स एवं बजट संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान सहभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान विशिष्ट वक्ताओं ने समुचित तरीके से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मल्लिका बैद, अरिहंत गुलगुलिया, अंकिता लोढ़ा, सुष्मिता बोथरा आदि का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन मुदित गोलछा ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुमित चौरड़िया ने किया। इस आशय की जानकारी टीपीएफ के मंत्री रजत दुधोड़िया ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

संपादकीय

केजरीवाल भारतीय राजनीति की एक अनबूझ पहेली

अरविंद केजरीवाल जब अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता में थे और अब जब वे सत्ता की कुर्सी से बेइज्जत होकर बाहर निकल गए हैं, तब भी अरविंद केजरीवाल भारतीय राजनीति का एक अनसुलझा रहस्य बने हुए हैं। वे सत्ता की राजनीति की दुनिया में एक असामान्य रास्ते से आए थे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के रूप में काम करते हुए, वे सूचना के अधिकार आंदोलन से जुड़े और फिर अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जुड़ गए। वहां से वे चुनावी राजनीति में आए और अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर देश के शीर्ष नेताओं में से एक बन गए। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि कोई भी समझ नहीं पाया कि राजनीति में उनका अभूतपूर्व विकास कैसे और किन कारणों से हुआ। राजनीति में उनके तेजी से बढ़ते कद पर एक नजर डालना उचित होगा। वर्ष 2011 में अरविंद केजरीवाल की पहल पर अन्ना हजारे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने दिल्ली आए थे। इस आंदोलन का मुख्य निशाना सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी थी और इसलिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी इस आंदोलन में रुचि लेना शुरू कर दिया। जिस दिन अन्ना लोकपाल विधेयक की मांग को लेकर अनशन पर बैठने वाले थे, उसी दिन डॉ मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया और यह केजरीवाल के राजनीतिक करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। आंदोलन की सफलता के बाद केजरीवाल ने राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला किया। हालांकि अन्ना हजारे राजनीति में नहीं आना चाहते थे। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का समर्थन करने वाली भाजपा भी आम आदमी पार्टी (आप) के गठन के खिलाफ थी. लेकिन केजरीवाल और उनके साथियों ने पार्टी बनाने का फैसला किया। आम आदमी पार्टी ने राजनीति में पारदर्शिता लाने का वादा किया। पार्टी ने कहा कि उसे मिलने वाला हर दान चेक के जरिए ही स्वीकार किया जाएगा और हर दानकर्ता का नाम वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से दिखाया जाएगा। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि चुनाव लड़ने के लिए टिकट सिर्फ उन्हीं उम्मीदवारों को दिए जाएँगे जिन्हें जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों का समर्थन प्राप्त होगा। इसके अलावा पार्टी ने वीआईपी संस्कृति को छोड़ने का वादा करते हुए कहा कि उसके नेता सादा जीवन जिएँगे। बाद में पार्टी अपने सभी वादों से मुकर गई। सत्ता में आने से पहले केजरीवाल को दलीय राजनीति का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन यह मानना होगा कि उनमें राजनीति की बारीकियों को समझने की बुद्धि थी। वे उस स्थिति का अच्छी तरह आकलन कर पाए थे जिसमें मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की कांग्रेस जनसमर्थन के अभाव में कमजोर हो गई थी और मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी राजनीति में उस शून्य को भरने की तेजी से कोशिश कर रही थी। राजनीति में खाली मैदान को समझने की इसी क्षमता के कारण केजरीवाल पंजाब चुनाव में अपनी पार्टी को अभूतपूर्व जीत दिलाने में सफल रहे। गुजरात और हरियाणा में, जहां भाजपा और कांग्रेस की मजबूत पकड़ थी, वे बिलकुल भी सफल नहीं हुए। केजरीवाल यह भी जानते हैं कि भारतीय राजनीति में आपको हमेशा नैतिकता और मूल्यों की बात करनी चाहिए। उनकी नैतिकता और ईमानदारी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह ही संदेह के घेरे में है, लेकिन मतदाताओं के मन में अपनी अच्छी छवि बनाकर वे चुनावी सफलता की सीढ़ियां चढ़ते रहे हैं। राजनीति में तेजी से बढ़ते कद के कारण जहां केजरीवाल खुद महत्वाकांक्षा का शिकार हो गए, वहीं दूसरी ओर उनके राजनीतिक विरोधी भी उनके खिलाफ लामबंद हो गए। 2014 और 2019 में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद 2015 और 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को गहरा सदमा लगा। इससे प्रधानमंत्री मोदी और केजरीवाल के बीच अहंकार का टकराव हुआ और भाजपा के लिए केजरीवाल और आम आदमी पार्टी राहुल गांधी और कांग्रेस से भी बड़े दुश्मन बन गए। अक्सर कहा जाता है कि केजरीवाल दिल से हिंदुत्ववादी हैं और उन्हें आरएसएस का गुप्त समर्थन प्राप्त है। ऐसा कहने वालों का मानना है कि केजरीवाल भगवा ब्रिगेड से नहीं बल्कि मोदी से विरोध करते हैं और उनके असली राजनीतिक दुश्मन कांग्रेस और वामपंथी झुकाव वाली दूसरी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक पार्टियां है। अगर हम हाल ही में हुए गुजरात और हरियाणा विधानसभा चुनावों और पिछले साल हुए दिल्ली लोकसभा चुनावों को देखें तो यह बात काफी हद तक सच लगती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि दिल्ली चुनावों में कांग्रेस ने केजरीवाल को उसी के अंदाज में जवाब देने का फैसला किया। अति महत्वाकांक्षा के अलावा केजरीवाल की दो और समस्याएं है। वह विचारधारा विहीन राजनीति कर रहे हैं और उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि ऐसी राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। अगर उन्हें लगता है कि हिंदुत्व के प्रति उनका झुकाव आम आदमी पार्टी को भाजपा के बजाय आरएसएस के करीब ले आएगा तो यह उनकी भूल है। उनकी दूसरी समस्या यह है कि खुद को आम आदमी पार्टी का नेता और दिल्ली की गरीब जनता का बेटा कहने के बावजूद उनकी मानसिकता सामंतवादी है. जो हमारी नौकरशाही की एक सामान्य विशेषता है। इसी कारण से उन सभी लोगों को पार्टी से निकाल दिया गया, जिनका व्यक्तित्व उनसे बड़ा था और जिनमें सामाजिक भावनाएं थीं। अगर वे सभी लोग आम आदमी पार्टी में होते, तो आम आदमी पार्टी एक अच्छी और शक्तिशाली पार्टी के रूप में भाजपा और कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती थी। लेकिन असुरक्षा की भावना के कारण खुद को शीर्ष पर बनाए रखने की प्रवृत्ति के कारण केजरीवाल ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। वह भूल गए कि भारतीय राजनीति में ऊपर उठने का असली रास्ता त्याग है, पद पाना नहीं। आखिर में सवाल यह उठता है कि क्या कोई राजनीतिक दत सिर्फ भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडे के सहारे जिंदा रह सकता है? आम आदमी पार्टी का सफर बताता है कि सिर्फ लोकलुभावन नारों और जनाक्रोश की लहर पर सवार होकर बदलाव लाना संभव नहीं है। आज अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी देश की राजनीति के चौराहे पर खड़ी है। भविष्य ही बताएगा कि वे कहां जाएंगे और कहां तक पहुंचेंगे।

नौनिहालों के सपनों पर हावी होते कोचिंग सेंटर

प्रियंका सौरभ

भारत में कोचिंग सुविधाओं की संख्या में तेज़ी से वृद्धि देखी जा रही है। ये केंद्र छात्रों को स्कूल स्तर की परीक्षाओं के साथ-साथ जेईई, नीट और यूपीएससी की तैयारी में मदद करते हैं। हालाँकि, इस उद्योग की विस्फोटक वृद्धि से कई चिंताएँ भी पैदा हो रही हैं। लगभग 58, 000 करोड़ के बाज़ार मूल्य के साथ, भारत का फलता-फूलता कोचिंग क्षेत्र अब पूरे देश से करोड़ों छात्रों को आकर्षित करता है। पारंपरिक शिक्षा में अंतर को पाटने के लिए, ये निजी संस्थान विशेष परीक्षा की तैयारी प्रदान करते हैं। हालाँकि, चिंताएँ हैं कि उनका बाज़ार-संचालित दृष्टिकोण औपचारिक शिक्षा के मानकों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है और शैक्षणिक माँगों को बढ़ाकर छात्रों की पढाई पर भारी बोझ डालता है। कोचिंग सेंटरों के विस्फोटक विकास के कारण भारत में औपचारिक शिक्षा प्रणाली और छात्रों के कल्याण सम्बंधित चिंताएँ जताई गई हैं।

छात्रों की भलाई और औपचारिक शिक्षा में कोचिंग सेंटरों का प्रभाव कम हो गया है। छात्र अपनी अकादमिक पढ़ाई से पहले कोचिंग सत्रों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे व्यापक शिक्षा प्रदान करने में स्कूलों की भूमिका कम हो जाती है। उदाहरण के लिए, बहुत से छात्र केवल उपस्थिति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्कूल जाते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए केवल ट्यूशन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। कोचिंग सेंटर में लंबे समय तक पढ़कर कड़ी प्रतिस्पर्धा करने वाले छात्र तनाव, चिंता और बर्नआउट का अनुभव करते हैं। कोटा के छात्रों की आत्महत्या की रिपोर्ट कोचिंग सेंटर के माहौल से होने वाले गंभीर मनोवैज्ञानिक नुक़सान को दर्शाती है। कोचिंग सेंटर अकादमिक फोकस और तैयारी की रणनीतियों पर हावी हैं, जिससे छात्रों की अपनी शिक्षा में रुचि ख़त्म हो जाती है। कोचिंग सेशन में भाग लेने के लिए, कई सीबीएसई स्कूलों में छात्र महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक वर्षों के दौरान नियमित कक्षाएँ छोड़ देते हैं। उच्च कोचिंग लागत आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को उच्च-गुणवत्ता की तैयारी तक पहुँचने से रोककर शैक्षिक अवसरों में अंतर को और बढ़ा देती है। प्रीमियम जेईई तैयारी कार्यक्रमों की लागत लाखों तक है, जो उन लोगों को अलग करती है जो कोचिंग का ख़र्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते हैं।

कोचिंग उद्योग कई कारकों के परिणामस्वरूप विकसित हुआ है। कोचिंग की आवश्यकता उच्च-दांव वाली प्रवेश परीक्षाओं, जैसे कि जेईई और एनईईटी पर ज़ोर देने से प्रेरित है। आईआईटी सीटों की सीमित संख्या के कारण, छात्र चयनित होने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेते हैं। माता-पिता और छात्रों के अनुसार, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए कोचिंग सेंटर आवश्यक हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन में सुधार होगा, इसलिए कई माता-पिता कोचिंग फीस पर बड़ी रक़म ख़र्च करते हैं। औपचारिक शिक्षा में

प्रतियोगी परीक्षाओं की उन्नत तैयारी का अभाव अक्सर एक कमी छोड़ देता है जिसे कोचिंग सेंटर भर देते हैं। राज्य बोर्ड राज्य बोर्ड और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान पर ज़ोर देते हैं, जबकि कोचिंग सेंटर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष तैयारी प्रदान करते हैं। कोचिंग सेंटर में शामिल होने के लिए छात्रों पर साथियों और अभिभावकों के दबाव के परिणामस्वरूप कोचिंग संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। पूरा परिवार कोटा और हैदराबाद जैसी जगहों पर कोचिंग के अवसरों के लिए जा रहा है। कोचिंग सेंटर रैंक-केंद्रित विज्ञापनों और सफलता की कहानियों के साथ छात्रों को आकर्षित करते हैं। अपने विज्ञापनों में, कोचिंग सेंटर अपने सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रदर्शित करते हैं, जिससे यह धारणा बनती है कि सफलता सुनिश्चित है।

इसका सामान्य रूप से शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। कोचिंग सेंटरों द्वारा पाठ्यक्रम से अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर ज़ोर दिए जाने के परिणामस्वरूप छात्र अपनी नियमित शैक्षणिक पढ़ाई की उपेक्षा करते हैं। कक्षा 11 और 12 के दौरान, छात्र पूरे दिन के जेईई या नीट कोचिंग सत्र में भाग लेने के लिए अक्सर स्कूल छोड़ देते हैं। औपचारिक शिक्षा की वैधता कम हो जाती है क्योंकि छात्र अपना ध्यान कोचिंग सेंटरों की ओर मोड़ते हैं, जिससे शिक्षक की प्रेरणा कम हो जाती है। छात्र केवल कोचिंग सामग्री का उपयोग करते हैं और शहरी क्षेत्रों के स्कूल कक्षा में कम भागीदारी की रिपोर्ट करते हैं। परीक्षाओं में सफल होने के लिए रटने को प्रोत्साहित करके, कोचिंग सेंटर स्कूलों में सिखाई जाने वाली आलोचनात्मक सोच और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग कौशल को कमज़ोर कर देते हैं। प्रवेश परीक्षा अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ अक्सर वैचारिक विश्लेषण की तुलना में नियमित समस्याओं को हल करने पर अधिक ज़ोर देती हैं। खेल, कला और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं क्योंकि छात्र कोचिंग कक्षाओं में बहुत अधिक समय व्यतीत करते हैं। छात्र अक्सर इंजीनियरिंग या मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी करते समय स्कूल द्वारा प्रायोजित एथलेटिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से चूक जाते हैं। परीक्षा-केंद्रित संसाधनों तक पहुँच उच्च कोचिंग लागतों द्वारा सीमित है, जिसके परिणामस्वरूप एक दोहरी प्रणाली है जहाँ केवल गरीब ही मुख्यधारा की शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। सरकारी स्कूली बच्चे अल्प शैक्षिक संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि अमीर छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में जाते हैं।

स्कूलों में पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए, निजी कोचिंग सुविधाओं पर निर्भरता कम करने के लिए स्कूलों में कोचिंग सत्र और उन्नत शिक्षण मॉड्यूल शुरू करें। ऑनलाइन संसाधनों को प्रोत्साहित करें जो परीक्षण लेने की लागत और आय के बीच के अंतर को कम करने के लिए अधिक किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं। सभी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नपटल और दीक्षा जैसे प्लेटफ़ॉर्म द्वारा दिए जाने वाले मुफ़्त संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। विशेष कोचिंग की आवश्यकता को कम करने के लिए ज्ञान-भारी परीक्षाओं की तुलना में योग्यता-आधारित आकलन को प्राथमिकता दें। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम विषय-वस्तु के ज्ञान की तुलना में योग्यता और आलोचनात्मक सोच को प्राथमिकता देता है। स्कूल के शिक्षकों को उन्नत निर्देश और सलाह देने के लिए आवश्यक संसाधन देने के लिए शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों पर पैसा ख़र्च करें। देश भर के शिक्षकों के पेशेवर कौशल को बढ़ाना निष्ठां जैसे सरकारी कार्यक्रमों का लक्ष्य है। ऐसे दिशा-निर्देश बनाएँ जो एक अच्छी तरह से पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दें जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा देने की रणनीतियों के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक और एथलेटिक निर्देश को जोड़ता हो। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अंतःविषय शिक्षा को बढ़ावा देती है और उच्च-दांव वाली परीक्षाओं से जुड़े तनाव को कम करती है।

कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, व्यक्तिगत शिक्षण और नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से औपचारिक शिक्षा को बढ़ाकर कोचिंग केंद्रों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। मज़बूत कानून, उचित मूल्य, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और छात्रों की भलाई को बढ़ावा देने से निष्पक्ष, व्यापक शिक्षण वातावरण की गारंटी होगी। नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं। भविष्य समानांतर शैक्षिक प्रणालियों में नहीं है, बल्कि अंतराल को बंद करने में है।

दृश्टि कोण

भारत, रूस और अमेरिका के बीच नए समीकरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेरिस और वॉशिंगटन दौरे के बाद आस बंधी है कि भारत में अनवरत विद्युत और गैस सप्लाई से आर्थिक विकास दर में वृद्धि होगी। एक समय उद्यमी अपने कल-कारखाने में उत्पादन कार्य से पहले अनवरत विद्युत सप्लाई के लिए भागदौड़ में जुटा रहता था। आज एक ओर क्लाइमेट चेंज के कारण कार्बन रहित विद्युत उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है, वहीं आणविक विद्युत सप्लाई के लिए बड़े संयंत्र की जगह छोटे आणविक संयत्रों की मांग बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे के पहले पड़ाव में पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो से द्विपक्षीय वार्ता में रिन्युअल एनर्जी के अंतर्गत छोटे आणविक संयंत्रों की सप्लाई पर अहम समझौता कर कार्बन रहित संस्कृति को गति दी है। इससे निःसंदेह मोदी के 'मेक इन इंडिया' मंत्र को नई दिशा मिलेगी, वहीं देश के विभिन्न राज्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े किए जा सकेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए चौबीसों घंटे अनवरत विद्युत आपूर्ति की जरूरत होगी, जो डाटा सेंटर और विशाल कंप्यूटर सेंटर को सजीव रख सके। भारत के आर्थिक विकास में ऊर्जा के क्षेत्र में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति एक प्राथमिकता है।

आने वाले दिनों में भारत की ऊर्जा, विशेषकर कच्चे तेल की माँग चीन से ज्यादा होगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की मानें तो निःसंदेह तीन सालों में भारत के कारोबार में वृद्धि होने से परिवहन और उद्योग में कच्चे तेल की माँग बढ़ेगी, एक तेजी से खड़ी होने वाली भारतीय इकॉनमी के लिए परिष्कृत ऊर्जा और और विद्युत ऊर्जा की जरूरत होगी। पेरिस आधारित इस एजेंसी के अनुसार भारत को मौजूदा 15.380 करोड़ बैरल से बढ़ कर 2030 में 16.640 करोड़ बैरल प्रतिदिन की जरूरत होगी। मोदी ने वार्ता के दौरान अगले पाँच सालों में विकसित भारत-2047 तक दोगुने व्यापार की उम्मीद जताई है।

बता दें, मोदी और ट्रम्प वार्ता के दौरान व्यापार संधि में भारत ने अमेरिका से कच्चा तेल खरीदने पर सहमति जताई है। भारत अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदेगा, इस पर विचार जारी है। दुनिया में कच्चे तेल के आयात में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा बड़ा आयातक देश है।

मोदी-ट्रम्प वार्ता में ऊर्जा : कच्चे तेल पर आधारित भारतीय इकॉनामी को पाँच खरब की इकॉनामी बनने के लिए अमेरिका से होकर क्षितिज पर पहुँचना होगा। दुनिया में तेल के आयात में भारत तीसरा (10.1%) बड़ा देश है। भारत ने 2023-24 में 88% तेल के आयात पर निर्भर रहा। 2023-24 में कच्चे तेल का बिल 139.3 अरब डॉलर था, जो भारत के कुल आयात मूल्य 678 डॉलर का 21 प्रतिशत कहा जा सकता है। इसमें तेल आधारित उत्पाद नहीं है। भारत खुद तेल आधारित उत्पाद बना कर यूरोपीय देशों को निर्यात करता है और 23.3 अरब डालर अर्जित करता है। इसमें एलपीजी 10.5 अरब डॉलर, 22.1 अरब डॉलर के हाई स्पीड डीजल और 11.2 अरब डॉलर मोटर स्पिरिट है। ऐसे में कच्चे तेल की क़ीमतें गिरती हैं, निश्चित तौर पर भारत लाभान्वित होगा।

अभी तक तेल की कीमतों को प्रभावित करने में खाड़ी में तेल उत्पादक देशों और ओपेक प्लस देशों में रूस, अमेरिका सहित ऐसे आधा दर्जन देश हैं, जो तेल का उत्पादन करते हैं। भारत में कच्चे तेल का उत्पादन अल्प मात्रा में हो पाता है, जबकि उसे अठासी प्रतिशत तक आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। भारत तेल की कीमतों को प्रभावित करने की स्थिति में भले नहीं रहा, वह भू-राजनैतिक कारणों से सऊदी, ईरान, इराक़ और यूनाइटेड अरब अमीरात, वेनेजुएला आदि देशों से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति करता रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के से उपजी परिस्थितियों के कारण भारत ने राष्ट्रहित में मौजूदा निर्यातक देशों के कोटे में कटौती कर अधिकाधिक तेल रूस से खरीदना शुरू किया। रूस और भारत के रणनीतिक रिश्तों के कारण भारत में कच्चा तेल 15 से 20 डॉलर प्रति बैरल आयात किया जाता रहा है। शुरू में 2023-24 में 33% इराक़, 21% सऊदी अरब, 16% यूएई, 6.4% खाड़ी के ओपेक प्लस देशों में रूस और अमेरिका, दो बड़े देश हैं, जो दस लाख बैरल तेल प्रतिदिन निकालते हैं, हालांकि अमेरिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका सऊदी अरब जैसे दोस्तों से तेल की आपूर्ति करता है।

भारत ने यूएस से तेल के आयात पर सहमति देकर एक ओर अमेरिका से मित्रता का धर्म निभाया है, वहीं खाड़ी और रूस से आयात के मौजूदा कोटे में कमी कर देश को चुनौतियों के लिए आमंत्रण दिया है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रम्प कच्चे तेल का अधिकाधिक उत्पादन करना चाहते हैं। वह अपने तेल उत्पादकों से कहते हैं, 'ड्रिल बेबी ड्रिल' और दूसरी ओर मित्र देशों को उलाहना देते हुए कहते हैं, 'आओ, हमसे दोस्ती करो और तेल पाओ।' अमेरिका ने 29023 में 19358 हज़ार बैरल प्रतिदिन उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर कुल उत्पादन का 20.1% है। ओपेक देशों का 35.3% और ओपेक + देशों रूस और मैक्सिको सहित 54% है। ऐसे समय जब रूस अपनी जर्जर इकॉनामी को सुधारने के लिए भारत को सस्ते में तेल देने का प्रलोभन देता है, तो ग़लत नहीं है। इससे भारत-रूस संबंधों पर आंच आना स्वाभाविक है।

रिन्यूअल एनर्जी से होगा कार्बन रहित समाज : इसी रिन्यूवल एनर्जी परिकल्पना की दृष्टि से फ़्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो और भारत के बीच छोटे आणविक संयंत्रों के आयात पर जो समझौता हुआ है, उससे देशभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए द्वार खुल सकेंगे। इन आणविक संयंत्रों से एआई ही नहीं सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में अनवरत विद्युत ऊर्जा से प्रौद्योगिकी को बल मिलेगा। उल्लेखनीय है कि रिन्यूवल एनर्जी आधारित ऊर्जा के लिए उत्तम कोटि के मिनरल की जरूरत होती है। इस क्षेत्र में चीन कहीं आगे है, संभव है भारत को चीन से ऐसे मिनरल के आयात में कठिनाई हो सकती है, जो उसके ऊर्जा सुरक्षा में बाधक बने।

एलन मस्क और मोदी वार्ता में विद्युत वाहन : क्लाइमेट चेंज से अत्यधिक प्रभावित भारत एक तो खनन कोयले पर अत्यधिक गर्मी से पीड़ित है। इसके लिए भारत की कोशिश है कि वह परिवहन तेल और गैस पर निर्भर रहने की बजाए विधुत चालित वाहनों का सहारा ले। इस संदर्भ में मोदी ने अपने दौरे के पहले ही दिन ऐलान मस्क से बातचीत में विद्युत चालित वाहनों के लिए सहयोग मांगा। मस्क भारत में विद्युत चालित वाहनों की फैक्ट्री लगाते हैं, तो भारत ने उन्हें सिंगल विंडो के तहत सभी सुविधाएँ दिए जाने की पेशकश की है। परिवहन क्षेत्र को कार्बन रहित बनाने के लिए भारत में 2023 में 15.3 लाख विद्युत वाहन थे, जो एक साल में बढ़ कर 19.5 लाख विद्युत वाहन हो गए जो मात्र 7.44% वृद्धि है। कार्बन रहित परिवहन के लक्ष्य में बायो फ्यूल और हाइड्रोजन एक विकल्प है। भारत ने चालू बजट में साल 2047 तक सौ मेगावाट आणविक विद्युत निर्माण का लक्ष्य रखा है।

विचार मंथन

स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्रोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे 'मिनोअन सभ्यता' कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्त्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि, ''आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे।'' यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ।

ऋग्वेद के मनु, मिस्त्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्त्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने 'इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश' में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई।

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी 'ऐबिस' सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व 'जल' की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि, ''संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।'' संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं।

भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने 'दि हिटटाइटस' (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौंधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौंधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है।

सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, ''बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।''

विलियम हंटर ने लिखा था कि, ''पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था।''

सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है? भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा, ''भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है।

नया दौर

दुनिया में जहां भी बदलाव हुए वहां तरुणाई ने नेतृत्व किया

भारत में अपनें मासिक मन की बात रेडियो कार्यक्रम की 113 वीं कड़ी में 25 अगस्त 2024 को माननीय पीएम नें बताया कि लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024 के संबोधन में बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं के राजनीति में शामिल होने के आह्वान किया था जिससे युवाओं की ओर से व्यापक प्रतिक्रियाए मिली है। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत तथा मजबूत लोकतंत्र के लिए सार्वजनिक जीवन में आने का आग्रह किया था। पीएम ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी समाज के हर क्षेत्र से ऐसे अनेक लोग सामने आए थे जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। इन लोगों ने खुद को भारत की आजादी के लिए झोंक दिया था। आज हमें विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए एक बार फिर उसी भावना की जरूरत है।उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवा राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं और बस उन्हें सही मौके तथा सही मार्गदर्शन की तलाश है। मेरा व्यक्तिगत मानना है कि इसके क्रियान्वयन के लिए 60 प्लस नेताओं को राजनीति से संन्यास लेने के लिए प्रेरित, बंधनकारक, अनिवार्य, जबरन रिटायरमेंट बनाने के लिए हर राजनीतिक दल को सख्त नीति बनाने की आवश्यकता है क्योंकि मैंने अपनी छोटी सी राइस सिटी गोंदिया नगरी में देखा है कि यहां 70 प्लस वाले भी रजिस्टर्ड नवयुवक सेवा मंडल के अध्यक्ष बन रहे हैं, तो 60 प्लस वाले भी रजिस्टर्ड पंचायत, संगठनों, संस्थाओं के अध्यक्ष बने हुए हैं तो कई पर्दे के पीछे 60 प्लस वाले कई संस्थाओं संगठनों परनियंत्रण रखे हुए हैं। फिर पंचायत समिति से लेकर संसद सदस्य तक, और पार्षदसे लेकर केंद्रीय व राज्यस्तर पर मंत्रिमंडल में भी हम 60 प्लस वालों को देख सकते हैं तो फिर लाखों युवा बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वालों की चांस लगाना क्या संभव है? इसको रेखांकित करना जरूरी है। बता दें वैश्विक स्तरपर किसी भी राष्ट्र के निर्माण में युवा वर्ग एक अहम भूमिका निभाता है। युवा वर्ग शारीरिक और मानसिक रूप से किसी भी कार्य को कुशलता पूर्वक करने में सक्षम होता है। हर व्यक्ति जीवन के इस दौर से गुजरता है। युवाओं को उच्चस्तर की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए और विभिन्न क्षेत्रो में अपना योगदान देना चाहिए।किसी भी राष्ट्र में कुल जनसंख्या का 20-30 जबकि भारत में विशेष रूप से 65 प्रतिशत हिस्सा युवा हैं। किसी भी राष्ट्र को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा वर्ग का सर्वाधिक योगदान रहा है। राष्ट्र की प्रगति विज्ञान, प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य, प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में विकासपर निर्भर होती है। इन सभी मानदंडों को पूरा करने के लिए सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक आधार पर युवाका सशक्तीकरण आवश्यक है।युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं। जिस तरह से इंजन को चालू करने के लिए इंधन जिम्मेदार होता है; ठीक उसी तरह युवा राष्ट्र के लिए है। यह राष्ट्र की प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है।किसी भी राष्ट्र को प्रौद्योगिकियों, शोध, विज्ञान, चिकित्सा, यानी आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक के संदर्भ में प्रगति और विकास के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। जब युवा अपने प्रयासों के साथ ईमानदारी से यही काम करता हैं, तो इसे चिह्नित किया जाता है। भारत में युवाओं की सबसे बड़ी संख्या है, जिन्हें यदि बेहतर तरह से पोषित किया जाये और अगर ये अपना प्रयास सही दिशा में लगाते हैं, तो यह देश पूरी दुनिया में सबसे उत्कृष्ट बन जायेगा। चूंकि आज विकसित भारत बनाने में यंग माइंड्स की प्रभावशाली भागीदारी जरूरी है इसलिए आज हम पीएम के संबोधन का संज्ञान लेकर तथा मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल होने का आह्वान @ 60 प्लस को राजनीतिक संन्यास का आह्वान उम्रदराज राजनीतिज्ञ व परिवारवाद की राजनीति में कई गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि वाली टैलेंटेड प्रतिभाएं दब जाती है।दुनियां में जहां भी बदलाव हुए हैं वहां तरुणाई ने हमेशा नेतृत्व किया है।

साथियों बात अगर हम 25 अगस्त 2024 को माननीय पीएम की मासिक मन की बात की 113 वीं कड़ी में उनके विचारों की करें तो उन्होंने कहा इस साल मैंने लाल किले से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को पॉलीटिकल सिस्टम से जोड़ने का आहवाहन किया है। मेरी इस बात पर जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई है।इससे पता चलता है कि कितनी बड़ी संख्या में हमारे युवा, राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं। बस उन्हें सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है। इस विषय पर मुझे देश-भर के युवाओं के पत्र भी मिले हैं। सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। लोगों ने मुझे कई तरह के सुझाव भी भेजे हैं। कुछ युवाओं ने पत्र में लिखा है कि ये उनके लिए वाकई अकल्पनीय है।दादा या मातापिता की कोई राजनीतिक विरासत नहीं होने की वजह से,वोराजनीति में चाहकर भी नहीं आ पाते थे। कुछ युवाओं ने लिखा कि उनके पास जमीनी स्तरपर काम करने का अच्छा अनुभव है, इसलिए, वे लोगों की समस्याओं को सुलझाने में मददगार बन सकते हैं। कुछ युवाओं ने ये भी लिखा कि परिवारवादी राजनीति, नई प्रतिभाओं का दमन कर देती है। कुछ युवाओं ने कहा कि इस तरह के प्रयासों से हमारे लोकतंत्र को और मजबूती मिलेगी। मैं इस विषय पर सुझाव भेजने के लिए हर किसी का धन्यवाद करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि अब हमारे सामूहिक प्रयास से ऐसे युवा, जिनका कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, वे भी राजनीति में आगे आ सकेंगे, उनका अनुभव, और उनका जोश, देश के काम आएगा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी समाज के हर क्षेत्र से ऐसे अनेकों लोग सामने आए थे, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्टभूमि नहीं थी। उन्होनें खुद को भारत की आजादी के लिए झोंक दिया था। आज हमें विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए एक बार फिर उसी स्पिरिट की जरूरत है। मैं अपने सभी युवा साथियों को कहूँगा इस अभियान से जरूर जुड़ें। आपका ये कदम अपने और देश के भविष्य को बदलने वाला होगा।

साथियों बात अगर हम युवाओं पर भारत की करें तो भारत लोकतंत्र की जननी है। देश की विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हमें अपनी विविधता को सबसे बड़ी ताकत बनाते हुए देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जी-जान से जुटना होगा।

पंजाब पुलिस ने डंकी रूट से लोगों को अमेरिका भेजने वाले एजेंट को किया गिरफ्तार

अमेरिका से लौटे युवक की शिकायत पर हुई कार्रवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने एनआरआई मामले में अवैध इमिग्रेशन घोटाले को लेकर कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की थी। टीम ने पटियाला से ट्रैवल एजेंट अनिल बत्रा को गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब पुलिस डंकी रूट से लोगों को अमेरिका भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के विरुद्ध जांच कर रही है। इस मामले में 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने अमेरिका से अवैध पंजाबियों का पहला जहाज आने के बाद इमिग्रेशन (अप्रवास) की गतिविधियों में शामिल धोखेबाज ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए चार सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने डिपोर्ट किए गए व्यक्तियों को आगे आकर जांच में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इसके अंतर्गत पुलिस ने कानूनों का उल्लंघन कराने वालों को कानूनी सजा दिलाने का भरोसा दिलाया था। एनआरआई मामले के एडीजीपी प्रवीण सिन्हा ने बताया कि इमिग्रेशन मामले में एजेंट अनिल बत्रा को एसपी एनआरआई मामले पटियाला गुरबंस सिंह बैंस की निगरानी में एसएचओ पुलिस स्टेशन एनआरआई पटियाला, इंस्पेक्टर अभय सिंह चौहान की नेतृत्व वाली टीम ने गिरफ्तार किया है। हरियाणा में कुरुक्षेत्र थाना अंतर्गत शांति नगर के टेका मार्केट निवासी अनिल बत्रा को पटियाला स्थित उसके ससुराल से गिरफ्तार किया गया है। एडीजीपी ने बताया कि एजेंट बत्रा पर शिकायतकर्ता ने सुरिनाम देश का वीजा और टिकट की व्यवस्था करके अवैध इमिग्रेशन गतिविधियों की सुविधा देने का आरोप है। सुरिनाम से पीड़ित दक्षिण अमेरिका के अन्य देशों, जिसमें ब्राजील या कोलंबिया शामिल हैं, के माध्यम से यात्रा करते हुए मध्य अमेरिका में प्रवेश किया। मध्य अमेरिका में वह पनामा, कोस्टा रिका, निकारागुआ, होंडुरास, ग्वाटेमाला और मैक्सिको सहित देशों से होता हुआ अंततः तस्करों की सहायता से अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) पहुंचा। इस संबंध में कार्रवाई करते हुए 14 फरवरी 2025 तक अनिल बत्रा के बैंक खाते को 6.35 लाख रुपए के बकाए के साथ फ्रीज कर दिया गया है। डीजीपी गौरव यादव ने इन आपराधिक नेटवर्कों को समाप्त करने और भोले-भाले व्यक्तियों को जालसाजों से बचाने के लिए पंजाब पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे किसी भी जानकारी के साथ आगे आएं, जो उन दोषियों की गिरफ्तारी में सहायता कर सके जिनके खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं।

काशी-तमिल संगमम करेगा तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को मजबूत : मोदी

वाराणसी (हिंस)। काशी तमिल संगमम-3 की सफलता के लिए वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभकामना संदेश भेजा है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि काशी तमिल संगमम न केवल इन यादों को ताज़ा करेगा, बल्कि तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। लोगों की संपूर्ण भागीदारी ने इन संगम को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का मशाल वाहक बना दिया है। यह जानकर खुशी हो रही है कि इस वर्ष हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ शास्त्रीय तमिल साहित्य में ऋषि अगस्त्य के महत्वपूर्ण योगदान का जश्न मनाया जाएगा। काशी-तमिल संगमम-3 का आयोजन 15 से 24 फरवरी तक किया गया है। प्रधानमंत्री ने यह शुभकामना संदेश अपने अमेरिका दौरे में लिखा। प्रधानमंत्री शुक्रवार देर रात दिल्ली लौट आए हैं। प्रधानमंत्री ने संदेश में लिखा कि वाराणसी में काशी तमिल संगमम-3 के आयोजन के बारे में जानना आनंददायक है। प्रयागराज में महाकुंभ के बीच होने के कारण यह अवसर और भी महत्वपूर्ण हो गया है। तमिलनाडु और काशी के बीच, कावेरी और गंगा के बीच का अटूट संबंध हजारों साल पुराना है। पिछले दो संगमों के दौरान लोगों की हार्दिक भावनाओं और

अनुभवों ने भारत की विविध संस्कृति की सुंदरता के साथ-साथ लोगों के बीच मजबूत संबंधों को भी प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि यह भी उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों को महाकुंभ का अनुभव करने के साथ-साथ अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन भी करने का मौका मिलेगा। मुझे यकीन है कि सभी प्रतिभागी इन स्थानों की दिव्यता से धन्य महसूस करेंगे।

नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति देने के आदेश

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सीनियर सेकेंडरी के समकक्ष पीयूसी योग्यता के आधार पर अयोग्य घोषित नहीं कर अपीलार्थियों को नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति दिए जाने के आदेश दिए है। नर्सिंग ऑफिसर भर्ती 2023 में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्या पीठ उदयपुर से उत्तीर्ण पीयूसी कोर्स को सीनियर सेकेंडरी परीक्षा के समकक्ष नहीं माने जाने को लेकर पेश हुई रिट याचिकाओं को एकलपीठ ने खारिज कर दिया था। इस पर हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और चंद्रप्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने राज्य सरकार को जवाब तलब करते हुए अंतरिम आदेश जारी किए है। पाली जिले में देसूरी निवासी जसाराम चौहान और गोपाल कृष्ण शर्मा की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा नर्सिंग ऑफिसर के 6981 पदों हेतु जारी विज्ञप्ति में आवश्यक योग्यता सीनियर सेकेंडरी और समकक्ष, नर्सिंग डिप्लोमा और नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन रखी गई। याचिकाकर्ता ने जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्या पीठ उदयपुर से वर्ष 2005 में पीयूसी (प्री यूनिवर्सिटी कोर्स) उत्तीर्ण कर लिया था, जिसे सीनियर सेकेंडरी परीक्षा के समान समकक्षता हैं और इसी योग्यता के आधार पर पहले तीन वर्षीय नर्सिंग डिप्लोमा में प्रवेश दिया गया और फिर इसी योग्यता के आधार पर नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन कर वर्ष 2014 में जीएनएम पद पर संविदा नौकरी दी गई। याचिकाकर्ता जसाराम आज तक मथुरादास माथुर अस्पताल में कार्यरत हैं लेकिन अब नियमित भर्ती 2023 में वर्ष 2005 की पीयूसी योग्यता को बारहवीं कक्षा के समकक्ष नहीं माने जाने और नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति से वंचित कर देने को लेकर रिट याचिकाएं पेश की गई। एकलपीठ न्यायाधीश ने वर्ष 2024 में दिये पूर्व फैसले के आधार पर याचिकाएं ख़ारिज कर दी जिस पर हाइकोर्ट की खंडपीठ में स्पेशल अपील पेश की गई। अपील की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि उक्त पीयूसी योग्यता को सीनियर सेकेंडरी के समकक्ष मानकर राज्य सरकार ने उसे राजकीय नर्सिंग स्कूल से डिप्लोमा कोर्स करवाने के बाद राजकीय अस्पताल में सविंदा नियुक्ति दी, ऐसे में अब नियमित भर्ती के समय भर्ती से अयोग्य घोषित कर देना गैर वाजिब हैं।

फोन टैपिंग का मुद्दा उठाना ही गलत : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य विभाग विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मोबाइल टैपिंग मामले में कहा है कि फोन टैपिंग का मुद्दा उठाना ही गलत है। नियमों के तहत विधानसभा में यह मुद्दा लाया जाना चाहिए था। हम पर जवाब देने को तैयार है। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि फोन टैपिंग पर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा खुद कह चुके हैं कि उन्हें सिर्फ इनपुट मिला था इसलिए यह विषय ही खत्म हो जाता है। वहीं जवाहर सिंह बेढम ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार का अधिकृत जवाब दे दिया था, इसलिए अब यह मुद्दा ही खत्म हो चुका है। मुझे विश्वास है कि हमारे साथी बजट सत्र में भाग लेंगे और मुद्दों की बात रखेंगे। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल आज अपने गृह नगर जोधपुर प्रवास पर थे। उन्होंने सर्किट हाउस में जनसुनवाई की और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान पंचायत के उपचुनाव में निर्वाचित रोहिला गाव के सरपंच कैलाश और पंचायत समिति केरु के वार्ड 14 से उपचुनाव में निर्वाचित दिनेश राजपुरोहित का साफा पहना कर स्वागत किया। पटेल ने कहा कि यह निर्वाचन सरकार के कामों पर मोहर है। जिला अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद पहला चुनाव हुआ है सब ने मेहनत की और उसी का परिणाम है यह जीत। अब सभी मिलकर विकास के कामों को आगे बढ़ाएंगे।

पानी की मांग को लेकर नेशनल-हाईवे जाम, किसानों का महापड़ाव शुरू

श्रीगंगानगर (हिंस)। सिंचाई के पानी की मांग को लेकर किसानों ने शनिवार सुबह बीकानेर-श्रीगंगानगर हाईवे को जाम कर दिया। 13-एमडी टोल नाके समेत पांच जगह किसान धरने पर बैठे हैं। किसानों का कहना है कि अनूपगढ़ शाखा नहर में किसानों के हक का पूरा पानी छोड़ा जाए। मांगें नहीं माने जाने तक धरना जारी रहेगा। या तो यहां से पानी लेकर जाएंगे या फिर जेल जाएंगे। किसान इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण के किसान सिंचाई के लिए पानी की मांग कर रहे है। इसे लेकर शनिवार सुबह करीब 11 बजे नेशनल हाईवे 911 पर अनिश्चितकालीन जाम शुरू कर दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने रावला, घड़साना और जैतसर

सहित विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया है। किसान नेता सत्यप्रकाश सियाग ने बताया कि अनूपगढ़ शाखा में 2400 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है, लेकिन चीफ इंजीनियर ने जानबूझकर पानी कम छोड़ा है। यदि सभी नहरों से पानी को दो भागों में बांटकर पांच दिन के हिसाब से हर किसान तक उसकी पूरी क्षमता के अनुसार पहुंचाया जाए तो कोई समस्या नहीं होगी। लेकिन यदि पीएचईडी की डिग्गियां भरने के नाम पर गड़बड़ी की गई, तो आंदोलन जारी रहेगा। प्रशासन ने किसान आंदोलन को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए चार एडिशनल एसपी, 10 डीएसपी के साथ लगभग 500 पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए वाटर कैनन और दंगारोधी विशेष वाहन भी तैनात किए गए है। डीआईजी गौरव यादव पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएगी तब तक यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगी। किसान नेता राजू जाट ने बताया कि साल 2012 और 2013 में हमने सात दिन तक चक्काजाम किया था। सरकार तुरंत प्रभाव से 2400 क्यूसेक पानी छोड़े, ताकि चक्काजाम आगे न बढ़े। 13 एमडी टोल नाका, रामसिंहपुर, सलेमपुरा, खाजूवाला समेत पांच जगहों पर चक्काजाम जारी है। शुक्रवार को अमरजीत सिंह मेहरड़ा से सकारात्मक वार्ता हुई थी, लेकिन वह विफल रही। इसका कारण यह था कि भाजपा के किसान संगठन के नेता वहां पहले से मौजूद थे, जो कह रहे थे कि हमारी सरकार है।

मुकदमे की लंबी अवधि जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन : हाईकोर्ट

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस फरजंद अली ने करीब 23 साल से पेंडिंग आपराधिक केस को खत्म कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ कोर्ट आने वालों को ही नहीं, इससे सभी को राहत मिलेगी। जब कोई मामला न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग का प्रतीक बन जाए तो अदालत केवल उन अभियुक्तों को ही नहीं, बल्कि उन सभी को राहत देने के लिए सक्षम है, जिन पर मामला पेंडिंग है, भले ही उन्होंने अदालत का रुख न किया हो। बता दें कि साल 2001 में हनुमानगढ़ के भादरा संरक्षित वन क्षेत्र से बिना वन विभाग की अनुमति के पेड़ काटकर रोड बनाने का मामला दर्ज हुआ था। पेड़ों को काट सड़क बनाने पर ठेकेदार सहित 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। जज ने आदेश में लिखा कि इस मामले में मुकदमे की शुरुआत की बात तो दूर, अब तक बिना किसी प्रगति के आपराधिक शिकायत लंबे समय तक पेंडिंग रहना निश्चित रूप से अभियुक्त के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। राज्य सरकार ने अपने अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय का ध्यान क्यों नहीं रखा। अगर वन विभाग या राज्य के किसी भी अंग द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण के लिए पेड़ों को न काटने की सूचना दी गई होती, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इस मामले में दोषी कौन है, यह भी अभी तक पता नहीं चल पाया है, जबकि इस बात को 23 साल से अधिक समय बीत चुके हैं। तीस अगस्त 2002 को क्षेत्रीय वन अधिकारी ने भादरा न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष 17 व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया कि अमर सिंह कैनाल से निकलने वाली और महाराणा गांव तक फैली महाराणा डिस्ट्रीब्यूटरी, संरक्षित वन क्षेत्र से होकर गुजरती है। जून 2001 में पीडब्ल्यूडी ने वन विभाग को सूचित किए बिना गांव जनाना से महाराणा तक सड़क बनाना तय किया। जुलाई-अगस्त 2001 के दौरान बिना वन विभाग से अनुमति लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा नियुक्त ठेकेदारों ने महाराणा डिस्ट्रीब्यूटरी के तटबंधों के किनारे पेड़ों को मजदूर लगाकर काट दिया, जो कि कानूनी रूप से संरक्षित थे। चूंकि पेड़ों को काटने का कोई प्रत्यक्ष गवाह नहीं था और न ही काटने या हटाने वालों की पहचान ही हो सकी, इसलिए वन विभाग ने मजदूरों, ठेकेदारों, पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को आरोपित मान कोर्ट में शिकायत दर्ज करा दी थी। 17 व्यक्तियों पर राजस्थान वन अधिनियम, 1953 और वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत अपराध करने का आरोप लगाया गया था।

एक साथ तीन महिलाओं के शव बरामद

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के चकिया अनुमंडल क्षेत्र अन्तर्गत वृंदावन स्थित एक चंवर (खाली-सुनसान स्थान) में शनिवार को एक साथ तीन महिलाओं का शव पानी में उपलाते हुए बरामद हुए हैं। तीनों शव सड़े-गले अवस्था में हैं, जिससे उसकी पहचान करने में काफी मुश्किल हो रही है। ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि इन शवों को कहीं दफनाया गया था, जो अब पानी में उपलाकर बाहर आ गए हैं। इस घटना की सूचना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। तरह तरह की चर्चाएं हो रही है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पुलिस की एक टीम तो पहुंची, लेकिन चकिया और कल्याणपुर थाना की पुलिस सीमा विवाद में दोनों थाना की पुलिस देर तक उलझी रही। जिस कारण तीनो शव अभी भी पानी से निकाला नही जा सका है। इस घटना को लेकर चकिया डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र की है।

भाजपा की टोपी लगाकर थाने में बैठें, वर्दी छोड़े पुलिस : अखिलेश

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मनीष गगन अग्रवाल को नई जिम्मेदारी दी गयी है। वह समाजवादी पार्टी के व्यापार सभा के अध्यक्ष बनाये गये हैं। मनीष व्यापारियों को लेकर ही प्रश्न कर रहे हैं। जीएसटी को लेकर व्यापारी चिंतित है। जीएसटी, सरकार की मुनाफाखोरी पालिसी एवं बांड पर मनीष आवाज उठा रहे हैं। मैं पुलिस से कहूंगा, ये वर्दी छोड़े और भाजपा की टोपी लगाकर थाने में बैठें। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में उत्तर प्रदेश में आगामी बजट पर अखिलेश यादव ने कहा कि बहुत जल्दी बजट आने वाला है। जैसा दिल्ली का बजट आया है, उसी तरह का कोई बजट यूपी का आयेगा। भाजपा सरकार में जो इनवेस्टर मीट हुआ था और एमओयू हस्ताक्षर हुए थे। इसकी कोई जानकारी वेबसाइट पर नहीं

है। हमारे मुख्यमंत्री को अधिकारी बेवकूफ बना रहे है, उसके लिए अधिकारियों को बहुत बधाई हो। महाकुंभ पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि पैंसठ वर्ष से ऊपर के बहुत सारे लोग महाकुंभ में स्नान नहीं कर सके हैं। प्रयागराज के लोग ही स्नान नहीं कर पाए हैं। सरकार से मेरी अपील है कि इस महाकुंभ के आयोजन को और कुछ दिनों तक बढ़ा दिया जाये। महाकुंभ में कितनी बड़ी घटना हुई। कितने लोग खोया पाया केन्द्र के बाहर अभी भी खड़े है। संत साधु हमारे धरती के देव है। उन्हें व्यवस्था नहीं दे सके। ये सरकार अपने अव्यवस्था को लेकर माफी मांगेगी। इससे पहले कवि, साहित्यकार, पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह के सम्मान समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी बातों को रखते हुए कहा कि उदय प्रताप सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़े कवि दिखायी देते हैं। नेता जी (मुलायम सिंह यादव) को पढ़ाया, सिखाया, राजनीति में बढ़ाया। नेता जी और उदय प्रताप दोनों ही अपने क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचें। अखिलेश यादव ने कहा कि उदय प्रताप की कविता से हम जैसे लोग प्रभावित होते हैं। कविता कभी पुरानी नहीं होती है, सच्चा कवि राजनीति को दिशा देता है। समाजवादी पार्टी के जितने भी गीत आये, वो सभी उदय प्रताप ने लिखा है। मन से है मुलायम गीत भी आपने ही लिखा है, आपका स्वास्थ्य बेहतर रहे और अपना मार्गदर्शन देते रहें।

भारत के नव निर्माण में वैज्ञानिक सोच आवश्यक : डॉ. अभिमन्यु कुमार झा

प्रयागराज (हिंस)। कुलभास्कर आश्रम पी जी कॉलेज में बायोटेक्नोलॉजी, पादप प्रजनन एवं अनुवांशिकी तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में *न्यू ट्रेंड्स इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमेडिकल साइंसेज* विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. अभिमन्यु कुमार झा, डीन स्कूल ऑफ बायोसाइंसे ? एंड टेक्नोलॉजी, गलगोटियाज विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा ने कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए हम सभी में वैज्ञानिक सोच होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अपने व्याख्यान में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नित नए अनुसंधानों पर प्रकाश डाला। कैंसर के खिलाफ एक नई तकनीक एपिजेनेटिक थैरेपी को विस्तार से समझाते हुए उन्होंने भविष्य के कर्ताधर्ताओं को अनुसंधान के पथ पर आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. गीतांजलि मौर्य ने सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इस तरह की और कार्यशालाएं आयोजित करते रहने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सलीमुद्दीन ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं महत्व को रेखांकित किया । कार्यक्रम के आयोजन

सचिव व एसोसिएट प्रोफेसर कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय डॉ. प्रमोद यादव ने अतिथि परिचय व स्वागत भाषण, संचालन डॉ. शशि कान्त त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रिया श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. पवन कुमार पचौरी, प्रो. आर एल पाल, प्रो. वी एन पांडेय, प्रो. सी एस चौबे, डॉ. विकास सिंह, डॉ. आभा त्रिपाठी, डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. बिपिन कुमार, डॉ. ए सी सिंह तथा निशांत, नितिन, एकता, रति, विनोद, कुलदीप, संजय इत्यादि शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

बदल गया जिले के 1935 प्राथमिक विद्यालयों के मिड डे मील का मेन्यू

अररिया (हिंस)। जिले के 1935 प्राथमिक विद्यालयों में मिड डे मील का मेन्यू बदल गया है। शनिवार से विद्यालयों में बदले हुए मेन्यू को लागू किया गया। बदले गए मेन्यू के तहत विद्यालयों में बच्चों को सिर्फ शनिवार को ही खिचड़ी दी जाएगी। विद्यालयों में सोमवार और गुरुवार को चावल के साथ तड़का मिलेगा। तड़का, हरी साग सब्जी युक्त होगा। शुक्रवार को चावल और लाल चना की छोला दी जाएगी। मध्याह्न भोजन योजना के निदेशक विनायक मिश्रा ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश पत्र भी जारी किया, जिसके आलोक में अररिया जिले के प्रारंभिक विद्यालयों में भी आज से मिड डे मील का मेन्यू बदल कर खिचड़ी दी गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पीएम पोषण योजना रोहित कुमार चौरसिया नें जानकारी देते हुए बताया कि अब खिचड़ी सिर्फ शनिवार को ही दी जाएगी। जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में बच्चे प्रतिदिन मिड डे मील से आच्छादित होते हैं। अभी तक विद्यालयों में शनिवार और बुधवार दो दिन बच्चों को खिचड़ी दी जाती थी लेकिन अब नए मेन्यू के अनुसार बुधवार को चावल और लाल चने की छोला बच्चों को दी जाएगी। चने की छोले में आलू भी मिला हुआ रहेगा। शुक्रवार में भी एक और बड़ा बदलाव किया गया है। अब विद्यालयों में

शुक्रवार को बच्चों को पुलाव और काबुली चने का छोला नहीं दिया जाएगा। बच्चों को चावल और लाल चने की छोला ही दी जाएगी। इसके साथ ही मांसाहार का सेवन करने वाले बच्चों को एक अंडा अथवा शाकाहार का सेवन करने वाले बच्चों को मौसमी फल अलग से दिया जायेगा। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रोहित चौरसिया के अनुसार, मध्यान भोजन योजना अंतर्गत शुक्रवार को दिए जाने वाले मेनू में शाकाहारी बच्चो के अभिभावकों से सहमति पत्र प्राप्त कर पत्र को संधारित कर कार्यालय में सुरक्षित रखना हैं। मध्याह्न भोजन योजना के जिला समन्यवक सरोज तिवारी ने बताया कि अब विद्यालय का अनुश्रवण कॉम्बो टूल्स लिंक के माध्यम से किया जाएगा।

महाकुंभ : स्किमर पक्षी को बनाया गया बर्ड फेस्टिवल का मैसकट

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ-2025 में जलवायु सम्मेलन व बर्ड फेस्टिवल को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। योगी सरकार के वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग की देखरेख यह आयोजन होगा। 16 फरवरी को महाकुंभ में *कुंभ की आस्था व जलवायु परिवर्तन* विषय पर जलवायु सम्मेलन होगा। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। सम्मेलन में धर्मगुरु, पर्यावरणविद, अनेक सामाजिक संगठन, उद्योग व व्यापारिक जगत के साथ ही गणमान्य नागरिक भी रहेंगे। इसके अलावा संगम तट पर होने वाले बर्ड फेस्टिवल का मैसकट स्किमर पक्षी को बनाया गया है। 2025 में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन महाकुंभ में संगम तट पर किया जा रहा है। आस्था व संरक्षण के संगम की भावना से आयोजित होने वाले नेचर एवं बर्ड फेस्टिवल-

बर्ड फेस्टिवल को लेकर सारी तैयारियां पूरी

2025 का मैसकट स्किमर पक्षी को बनाया गया है। भारतीय स्किमर नदियों के स्वास्थ्य का संकेत देने वाला महत्वपूर्ण पक्षी है। यह पक्षी नदी, झीलों और मुहानों के किनारे बसे दलदली क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी मुख्य विशेषता काले व सफेद पंखों के साथ नारंगी रंग की चोंच होती है, जिसका निचला भाग ऊपरी भाग से लंबा होता है। इससे यह पानी की सतह पर उड़ते हुए आसानी से शिकार पकड़ सकता है। इसीलिए स्थानीय भाषा में इस पक्षी को पंचीरा के नाम से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में यह पक्षी गंगा, यमुना व चंबल नदियों के किनारे प्रजनन करता है। उत्तर प्रदेश में स्किमर पक्षी की संख्या लगभग एक हजार है। योगी सरकार के निर्देशन में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन निरंतर हो रहा है। हर बार यह आयोजन अलग-अलग स्थानों पर किया जा रहा है। 2017 में दुधवा टाइगर रिजर्व पीलीभीत, 2019 में नवाबगंज पक्षी बिहार उन्नाव, 2020 में सूरसरोवर पक्षी बिहार कीठम-आगरा, 2021 में ओखला पक्षी बिहार गौतमबुद्धर नगर में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कोरोना के कारण 2022 में यह आयोजन नहीं हो सका। 2023 में विजय सागर पक्षी विहार, महोबा और 2024 में यह आयोजन सूरजपुर वेटलैंड में आयोजित किया गया। इस बार यह आयोजन महाकुंभ, प्रयागराज में होगा। महाकुंभ प्रयागराज में जलवायु सम्मेलन व बर्ड फेस्टिवल के पहले शनिवार को लखनऊ में कर्टन रेजर इवेंट आयोजित किया गया। इस दौरान वॉकथान में स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। सुबह 1090 चौराहा से नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान तक वॉकथान निकला। आईटीबीपी बैंड ने कार्यक्रम में संगीत प्रस्तुत किया। चिड़ियाघर के सारस ऑडिटोरियम में मैस्कट व टीजर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, अपर्णा यादव, प्रदान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी आदि मौजूद रहे। ललित वर्मा, नोडल अधिकारी, बर्ड फेस्टिवल ने कहा इस बार बर्ड फेस्टिवल का मैसकट इंडियन स्किमर है। संयोग से यह संगम में भी पाई जाती है। स्किमर के संवर्धन व संरक्षण पर सबका ध्यान आकृष्ट करने के लिए इसे बर्ड फेस्टिवल का मैसकट बनाया गया है। बर्ड फेस्टिवल की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। यह आयोजन अभूतपूर्व होगा।

स्नैपड्रेगन 6 जेन 4 नामक नया मिड-रेंज स्मार्टफोन चिपसेट लॉन्च

नई दिल्ली

क्वालकॉम कंपनी ने स्नैपड्रेगन 6 जेन 4 नामक नया मिड-रेंज स्मार्टफोन चिपसेट लॉन्च किया है। क्वालकॉम का दावा है कि यह अपने पिछले वर्जन की तुलना में 11 प्रतिशत तेज सीपीयू, 29 प्रतिशत तेज जीपीयू और 12 प्रतिशत ज्यादा पावर एफिशिएंट है।

यह प्रोसेसर टीएसएमसी की 4एनएम प्रोसेस पर आधारित है और ऑक्टा-कोर सेटअप के साथ आता है। हालांकि, इसकी अधिकतम सीपीयू स्पीड स्नैपड्रेगन 6 जेन 3 के मुकाबले थोड़ी कम है। नए चिपसेट की स्पीड 2.3 जीएचझेड है, जबकि पिछला वर्जन 2.4 जीएचझेड की टॉप स्पीड तक पहुंचता था।

इस बार सीपीयू स्ट्रक्चर भी बदला गया है, जहां स्नैपड्रेगन 6 जेन 3 में 1प्लस3प्लस4 कोर सेटअप था, वहीं 6 जेन 4 में 4प्लस4 कोर स्ट्रक्चर दिया गया है।

इस प्रोसेसर में स्नैपड्रेगन गेम सुपर रेजोल्यूशन, 4 के अपस्केलिंग, एड्रेनो एचडीआर और एड्रेनो फ्रेम मोशन इंजन जैसे फीचर्स मौजूद हैं, जो गेमिंग एक्सपीरियंस को बेहतर बनाएंगे। इसमें 16जीबी तक एलपीडीडीआर5 रैम (3200 एमएचझेड) और यूएफएस 3.1 स्टोरेज का सपोर्ट दिया गया है। इसके अलावा, हेक्सागॉन एनपीयू के साथ आईएनटी4 ऑप्टिमाइजेशन वाला एआई इंजन भी जोड़ा गया है, जिससे एआई आधारित कार्यों में तेजी आएगी।

इसके साथ ही, यह 200एमपी तक के कैमरा, एचडीआर10 प्लस डिस्प्ले (144एचझेड), क्विक चार्ज 4+ और क्वालकॉम् अकेस्टीक ऑडियो कोडेक को भी सपोर्ट करता है। आने वाले दिनों में इस चिपसेट के साथ कई स्मार्टफोन लॉन्च होंगे, जिससे इसकी असली परफॉर्मेंस का पता चलेगा। कनेक्टिविटी के लिहाज से यह प्रोसेसर वाय-फाय 6ई, ब्लूटूथ 5.4, यूएसबी 3.1, नाविक लोकेशन ट्रैकिंग और 5जी (सब-6जीएचझेड और एमएम वेव) सपोर्ट करता है।

न्यूज ब्रीफ

फोर्टिस हेल्थकेयर श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करेगी

मुंबई। फोर्टिस हेल्थकेयर ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फोर्टिस हॉस्पिटल के माध्यम से श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। इस सौदे के तहत फोर्टिस हेल्थकेयर ने श्रीमन अस्पताल के पूरे व्यवसाय संचालन, अस्पताल की इमारत और अस्पताल की जमीन का अधिग्रहण करेगी है। कंपनी ने कहा कि यह लेन-देन पूरी तरह से नकद में होगा और कुल खरीद मूल्य लगभग 462 करोड़ रुपये है। इसमें स्टांप ड्यूटी और अन्य नियामक खर्च शामिल नहीं है। एफएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कई अधिग्रहण कर रहे हैं और इस अधिग्रहण को हम एक अच्छा कदम मानते हैं क्योंकि कंपनी की पहले से ही पंजाब में मजबूत उपस्थिति है, जिससे हमें इस अस्पताल के अधिग्रहण से अधिक लाभ मिलेगा।

एनपीसीआई ने यूपीआई यूजर्स के लिए बढ़ाई राहत, अब रिफंड होगा जल्द

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए देश के करोड़ों यूपीआई यूजर्स के लिए राहत की खबर आगामी है। अब फेल होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन या अटके हुए पैसों के रिफंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एक सर्कुलर के माध्यम से हाल ही में एनपीसीआई ने घोषणा की है कि नए नियमों के बैठक, चार्जबैक अनुरोधों की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड कर दिया गया है। इस नई प्रक्रिया के अनुसार, लाभार्थी बैंकों द्वारा दाखिल किए गए ट्रांजेक्शन क्रेडिट कन्फर्मेशन (टीसीसी) या रिटर्न रिक्वेस्ट (आरईटी) के आधार पर चार्जबैक अनुरोध या तो ऑटोमेटेड रूप से स्वीकार या अस्वीकार कर दिए जाएंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि प्राथमिक ट्रांजेक्शन-रिलेटेड मुद्दों को तेजी से समाधान किया जा सके। इस ऑटोमेटेड प्रक्रिया की शुरुआत 15 फरवरी से हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो यूपीआई यूजर्स को फायदा पहुंचाएगा और उन्हें सुविधात्मक रूप से सेवाएं प्रदान करेगा।

दिल्ली में बीएसईएस कंपनी वितरण के लिए भरोसेमंद

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सत्ता से जाने के बाद, वितरण कंपनी बीएसईएस ने कहा है कि

वह अपने क्षेत्रों में निर्बाध और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति प्रदान कर रही है। बीएसईएस ने एक बयान में कहा कि वे यमुना पावर लिमिटेड और राजधानी पावर लिमिटेड के माध्यम से भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। कंपनी ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्रेरित बिजली उत्पादन की मदद से विद्युत आपूर्ति को स्थायी और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का दावा किया। बीएसईएस ने मान्यता दी कि उन्होंने बिजली आपूर्ति की स्थिति की निगरानी के लिए अलग से वॉर रूम स्थापित किए हैं जो सभी क्षेत्रों में सुरक्षित और स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखते हैं ।

नए आयकर बिलः टैक्स सरल बनाने की कवायद, धारा 80सी के तहत किए गए हैं बड़े बदलाव

नई दिल्ली। लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा का विषय बना दिया है नया आयकर बिल का

प्रस्ताव, जिसके अनुसार टैक्स संबंधी नियमों की भाषा सरल बनाई जाएगी। नए बिल में कोई इनकम टैक्स स्लैब या कैपिटल गेन्स टैक्स संशोधन नहीं है, लेकिन धारा 80सी के तहत बड़े बदलाव हैं। यदि आप पुरानी टैक्स व्यवस्था का अनुसरण करते हैं, तो धारा 80सी के बजाय धारा 123 के तहत टैक्स बचाने के विकल्पों से परिचित होंगे। अब इस धारा के अनुसार टैक्सपेयर को प्राप्त राशि के उत्तराधिकारी द्वारा भुगतान किया गया या जमा की गई राशि पर छूट मिलेगी, जो शेड्यूल एक्सवी में उल्लिखित राशियों के कुल के बराबर होगी।

ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के प्रस्ताव को ठुकराया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई के अधिग्रहण का मामला

नई दिल्ली

विश्वविख्यात उद्यमी और एलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला के मालिक एलन मस्क को उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई की अधिग्रहण की हसरत पूरी होने में मुश्किले आ रही है। ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के 97.4 बिलियन के अधिग्रहण प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, कहते हुए कि कंपनी बिक्री के लिए नहीं है।

एलन मस्क जो पहले ओपनएआई के सह-संस्थापक थे, अब कंपनी से अलग हो चुके हैं। मस्क के वकील ने बताया कि ओपनएआई अपने लाभकारी उद्यम का निजी स्वामित्व बेचने की योजना बना रही है, जिससे कुछ बोर्ड सदस्य व्यक्तिगत लाभ उठा सकते हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और मस्क के बीच वर्षों से चल रहा टकराव जारी है, जिसमें एलन मस्क ने ओपनएआई को लाभकारी बनाने के पक्ष में नहीं देखा।

ओपनएआई ने अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन बनाने की योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य था अधिक पूंजी जुटाना और गैर-लाभकारी प्रतिबंधों को हटाना। ओपनएआई ने मस्क के प्रति कटु रूख अपनाया है, जिससे वार्षिक बोर्ड की चुनौतियों में नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। एलन मस्क के वकीलों ने ओपनएआई के साथ चल रहे संघर्ष को निपटाने के लिए अदालत में कानूनी कदम उठाया है, जिसमें वकीलों ने कहा कि यदि ओपनएआई अपनी लाभकारी इकाई बनाने की योजना छोड़ देता है तो उनकी बोली वापस ली जाएगी।

ओपनएआई ने मानवता के लिए एआई के लाभ को पहुंचाने की मिशन में प्रतिबद्धता जताई है, और इस उद्देश्य को मजबूत बनाने के लिए अपने मिशन पर कड़ी नजर रखी है। एलन मस्क और ओपनएआई के बीच टकराव के बीच बढ़ते विवाद में, एक ओर ओपनएआई ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जबकि दूसरी ओर मस्क और उनके वकील उसे निपटाने के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं।

इस संघर्ष के माध्यम से ओपनएआई की दिशा और उद्देश्य पर प्रकाश डालने के लिए और एलन मस्क की तकनीकी उच्चताओं को रक्षा करने के लिए एक सख्त स्तर पर कानूनी और नैतिक झगड़ा चल रहा है।

सेबी की सोशल मीडिया फाइनेंशियल ग्रुप्स पर नजर, सरकार से मांगी अधिकारों की मांग

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर शेयर बाजार और निवेश से जुड़े फाइनेंशियल टिप्स देने वालों की बढ़ती संख्या ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को चिंतित कर दिया है। सेबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर मार्केट विचार साझा करने वाले अवैध ग्रुप्स की निगरानी करने के लिए सरकार से अधिकारों की मांग की है। इन सलाहों के माध्यम से निवेशकों को ठगने की आशंका है, जिसे रोकने के लिए सेबी को ज़रा ज़्यादा अधिकार चाहिए। सेबी ने सरकार से सोशल मीडिया डेटा और कॉल रिकॉर्ड्स तक पहुंचने की मांग की है ताकि बाजार में हो रही अनियमितताओं को रोका जा सके। सोशल मीडिया कंपनियों ने इस मांग का मुखांधों से किया है। सेबी का मानना है कि इन मामलों की सही जांच के लिए उसे सोशल मीडिया डेटा तक पहुंच मिलनी चाहिए। हालांकि, सरकार अभी सेबी की इस मांग पर विचार कर रही है। इस संबंध में टेलीग्रमा के बयान में कहा गया है कि उसने सेबी के साथ काम करने की स्वीकृति दी है, लेकिन तकनीकी कारणों से कॉल डेटा उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। सेबी कड़ाई से संज्ञान लेने की योजना बना रहा है ताकि निवेशकों को सुरक्षित बाजार मिल सके।

कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम

नई दिल्ली

वर्तमान में, देश में बिकने वाले कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम है। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है और 2025 में इसकी बिक्री दोगुनी होने की संभावना जताई जा रही है।

नए मॉडल के लॉन्च और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के चलते यह आंकड़ा तेजी से बढ़ सकता है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार, 2023 में भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 82,688 यूनिट थी, जो 2024 में 19.93प्रतिशत बढ़कर 99,165 यूनिट तक पहुंच गई। हालांकि, कुल यात्री वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी केवल 2.4प्रतिशत रही। हुंडई के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और नए मॉडल की बढ़ती संख्या से 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी हो सकती है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। वर्तमान में, भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार में टाटा मोटर्स का दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी 2024 में 62.01प्रतिशतरही। हालांकि, नए कंपनियों के प्रवेश से यह परिदृश्य बदल सकता है। 2025 में मारुति ई-विटारा, हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, महिंद्रा बीई6 और किआ कैरेंस ईवी जैसी कई नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च होने वाली हैं।

मारुति सुजुकी ने सेडान डिजायर के साथ मजबूत पकड़ बनाई

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय सेडान डिजायर के साथ मारुति सुजुकी इंडिया ने भारतीय बाजार में एक बार फिर से मजबूती से पकड़ बनाई है। मारुति सुजुकी का दावा है कि सेडान सेगमेंट में डिजायर की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है। 2023 में इसकी 1,57,522 यूनिट्स बिकी थीं, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 1,67,988 हो गई, जो एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। मारुति सुजुकी इंडिया के मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी राहुल भारती के अनुसार, डिजायर भारतीय ग्राहकों के बीच हमेशा से एक पसंदीदा कार रही है। चौथी पीढ़ी की डिजायर को नवंबर 2024 में लॉन्च किया गया था, और इसे ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने बताया कि फिलहाल डिजायर की 20,000 से अधिक बुकिंग लंबित हैं। खास बात यह है कि इसके टॉप वेरिएंट झेडएक्सआई और झेडएक्सआई प्ल स की बुकिंग में दोगुनी वृद्धि देखी गई है। पहले इनका योगदान कुल बुकिंग में 19 प्रतिशत था, जबकि अब यह बढ़कर 37प्रतिशत हो गया है।

कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो

टोरंटो में कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो में 1886 की बेंच पेटेंट मोटर वैगन के प्रतिरुप को देखते हुए लोग। दस दिवसीय इस शॉ में 40 से अधिक ऑटोमाबाइल प्रतियोगियों ने भाग लिया।

बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष में 262 करोड़ का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली

भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इस साल उनके निगम ने 17 साल बाद पहली बार मुनाफा दर्ज किया है। सरकार ने हाल ही में बीएसएनएल की 4जी सर्विस के विस्तार के लिए अत्यधिक 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किया था। इससे कंपनी ने सेवाओं और ग्राहक बेस को बढ़ाने पर फोकस किया। कंपनी ने अपनी लागत और व्यय में कटौती की है जिससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में घाटे में कमी आई है। उनके मोबाइल सेवाओं में आमदनी में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने

बीएसएनएल के इस मुनाफे को एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने यह भी बताया कि बीएसएनएल ने एबीआईटीडीए वित्त वर्ष 23-24 तक दोगुनी हो गई है, जिससे उनका अनुमानित राजस्व लगभग 2,100 करोड़ रुपये हो गया है। इन सभी नतीजों से साफ होता है कि बीएसएनल ने 4जी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करके एक बड़ा कदम उठाया है और इससे कंपनी के लिए एक उज्जवल भविष्य की संभावना है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली तेजी का नजर आ रही है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये से लेकर 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,910 रुपये से लेकर 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली तेजी दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट : पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे श्याम लाल, श्रीराम कॉलेज

नई दिल्ली

11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में मेजबान श्याम लाल कॉलेज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज और श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने जगह बना ली है।

लीग दौर के अंतिम मैच में श्याम लाल कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किरोड़ीमल कॉलेज को 8-1 से पराजित किया।

इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट और श्री गुरु तेग बहादुर खालसा भी अंतिम चार में पहुंचे

श्याम लाल कॉलेज की ओर से प्रियांशु ने तीन, नवीन बिधूड़ी ने दो, जबकि मोहित राणा, मनमोहन और अतुल ने एक-एक गोल किया। किरोड़ीमल कॉलेज के लिए विशाल ने एकमात्र गोल दागा। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार श्याम लाल कॉलेज के हिमांशु लोहिया को मिला।

वहीं, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 8-4 से हराया। इस मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की ओर से फरमान ने तीन, चिरंजीवी और शेखर ने दो-दो, जबकि राम यादव ने एक गोल किया। एमिटी यूनिवर्सिटी की तरफ से रूपेश बल्हारा ने चार गोल किए। फरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्याम लाल कॉलेज एलुमनाई को 5-0 से शिकस्त दी। श्रीराम कॉलेज की ओर से विपिन नांदल ने दो, जबकि इंद्रपाल सिंह, विभांशु तिवारी और रितिक ने एक-एक गोल किया। इस मैच में विभांशु तिवारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रीय खेल 2025 : सर्विसेज़ ने हासिल किया शीर्ष स्थान, मेजबान उत्तराखंड सातवें स्थान पर रहा

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 का सफल समापन 14 फरवरी को हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 28 राज्यों, आठ केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) सहित विभिन्न टीमों ने भाग लिया। 26 जनवरी को आरंभ हुआ यह खेल आयोजन देशभर के खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का केंद्र बना। सर्विसेज़ ने पदक तालिका में मारी बाज़ी सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (सर्विसेज़) ने 121 पदकों (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र ने कुल 201 पदक (54 स्वर्ण, 71 रजत, 76 कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हरियाणा ने 153 पदक (48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य) के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। मेज़बान उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में सातवाँ स्थान प्राप्त किया। हालांकि, नागालैंड, पुडुचेरी और सिक्किम इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। इस आयोजन ने खेल प्रतिभाओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एएफसी अंडर-20 एशियाई कपः जापान और दक्षिण कोरिया की धमाकेदार जीत

शेन्ज़ेन। एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के ग्रुप डी मुकाबलों में जापान और दक्षिण कोरिया ने शानदार प्रदर्शन किया। शुक्रवार को खेले गए मैच में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा, जबकि दक्षिण कोरिया ने सीरिया को 2-1 से मात दी। जापान की ओर से 14वें मिनट में हिसात्सुगु इशी ने पहला गोल किया। इसके बाद 33वें मिनट में रियोन इचिहारा ने पेनल्टी पर गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। 69वें मिनट में रयुनोसुके सातो ने तीसरा गोल दागते हुए जापान की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने भी दमदार प्रदर्शन किया। सीरिया के खिलाफ आठवें मिनट में सुंग शिन ने पहला गोल किया, जबकि 23वें मिनट में बेक मिन-ग्यू ने स्कोर 2-0 कर दिया। सीरिया के लिए 60वें मिनट में अलंद अब्दी ने गोल कर टीम की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम 30 मिनट में उन्हें बराबरी का मौका नहीं मिल सका। शनिवार को टूर्नामेंट में मेजबान चीन अपने दूसरे ग्रुप मैच में किर्गिस्तान से भिड़ेगा। पहले मुकाबले में चीन ने कतर को 2-1 से हराया था। वहीं, ग्रुप ए के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया और कतर आमने-सामने होंगे।

डी. गुकेश फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में आठवें स्थान पर रहे

हैम्बर्ग। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने शुक्रवार को फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अपना अभियान आठवें स्थान पर समाप्त किया। उन्हें सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच के दूसरे गेम में ईरानी-फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ गुकेश टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सके। गुरुवार को पहले गेम में फिरोजा के खिलाफ ड्रा करने के लिए गुकेश ने प्रभावशाली वापसी की थी, जिससे उम्मीद बंधी थी कि वह सफेद मोहरों से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, शुक्रवार को खेले गए 30 चालों में समाप्त हुए निर्णायक मुकाबले में वह हार गए। फिरोजा ने अंतिम गेम में अपना दबदबा बनाए रखा और मौकों का पूरा लाभ उठाते हुए जीत हासिल की। विंसेंट कीमर ने खिताब जीता इस बीच, जर्मनी के विंसेंट कीमर ने टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीतकर सभी को चौंका दिया। उन्हें टूर्नामेंट से पहले एक नौसिखिया माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों को मात देते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी यह जीत शतरंज जगत में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। शतरंज 960 को लेकर फिडे की असहमति फ्रीस्टाइल शतरंज, जिसे फिशर रैंडम शतरंज या शतरंज 960 के नाम से भी जाना जाता है, को लेकर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की असहमति बनी हुई है। हालांकि, यह प्रारूप धीरे-धीरे अपनी लोकप्रियता बढ़ा रहा है और इसका भविष्य उवल नजर आ रहा है।

2036 में ओलंपिक मेजबानी मिली तो सफल आयोजन करेंगे : अमित शाह

हल्द्वानी

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगर भारत को साल 2036 की ओलंपिक खेलों की मेजबानी मिलती है तो वह उसके सफल आयोजन के लिए तैयार है। शाह ने यहां राष्ट्रीय खेलों के समापन अवसर पर कहा की खेलों में भारत का भविष्य काफी अच्छा है। हमने 2036 ओलंपिक मेजबानी का दावा किया है और अगर ये हमें मिलती है तो हम सफल आयोजन करेंगे।

हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार हैं। शाह ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित समारोह में कहा, 'देव भूमि न केवल राष्ट्रीय खेलों के कारण, बल्कि खेलों में अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेलों की सफल मेजबानी के कारण खेल भूमि में बदल गई है। मैंने यहां देखा कि राष्ट्रीय खेलों के दौरान बनाए गए कुछ रिकॉर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं। राज्य ने राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन कर अपनी क्षममाएं दिखायी हैं।

शाह के अलावा इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, मुख्मंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्य, दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम और ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग भी शामिल थे। मांडविया ने कहा, 'उत्तराखंड ने देश को बताया है कि यह सिर्फ देवभूमि नहीं बल्कि खेलभूमि भी है। राज्य ने सुनिश्चित किया कि खेलों के दौरान किसी भी खिलाडी को कोई कठिनाई न हो। यह भारत के खेल केंद्र बनने की शुरुआत है। आयोजन स्थल की क्षमता 25,000 है और यह पूरी तरह से भरा हुआ है। मांडविया ने कहा, 'यह 2036 तक भारत के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की शुरुआत है। देश में अब एक खेल पारिस्थितिकी तंत्र है। यह खेल सहित हर पहलू में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने कहा, 'सफर यहीं खत्म नहीं होता, यह भारतीय खेलों के लिए सिर्फ शुरुआत है।

महिला प्रीमियर लीग के पहले मैच में आरसीबी ने गुजरात जांयट्स को हराया, ऋचा और कनिका की शानदार बल्लेबाजी

बड़ौदा। ऋचा घोष और कनिका अहुजा की शानदार बल्लेबाजी से महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में आरसीबी ने पहले ही मुकाबले में . गुजरात जांयट्स को 6 विकेट से हराकर रिकार्ड जीत दर्ज की। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजराज जांयट्स ने 201 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 202 रनों के लक्ष्य को आरसीबी ने चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। ये महिला लीग में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। आरसीबी की ओर से ऋचा घोष ने ध्क्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान स्मृति मंधाना 9 और डेनियल वायट 4 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। इसके बाद एलिस पेरी ने अर्धशतक लगाया। वहीं राघवी बिस्ट ने 25 रन बनाये। इसके बाद ऋचा घोष और कनिका ने अच्छी साझेदारी कर पारी को आगे बढ़ाया। ऋचा ने मैच में कुल 27 गेंदों पर 64 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 237 का रहा। वहीं कनिका अहुजा ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 13 गेंदों में 30 रन बनाये। आरसीबी को 19वें ओवर में जीत के लिए 7 रन चाहिए थे और पहली गेंद पर कनिका ने एक रन लिया। वहीं दूसरी पर ऋचा रन नहीं बना पायीं पर तीसरी गेंद पर उन्होंने शानदार छक्का लगाकर टीम को पहली जीत दिलाई।

मैनचेस्टर सिटी को बड़ा झटका, डिफेंडर मैनुअल अकांजी 10 सप्ताह के लिए बाहर

लंदन

मैनचेस्टर सिटी की चोट की समस्याएं और गहरी हो गई हैं, क्योंकि स्विस डिफेंडर मैनुअल अकांजी जांघ की चोट के कारण लगभग 10 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने शुक्रवार को न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ शनिवार को होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की।

अकांजी को मंगलवार रात रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ में सिटी की 3-2 की हार के दौरान हाफटाइम पर बाहर होना पड़ा था। गार्डियोला ने बताया कि डिफेंडर की शनिवार को सर्जरी होगी और उन्हें ठीक होने में आठ से 10 सप्ताह का समय लग सकता है।

कोच ने कहा, शनिवार को उनकी सर्जरी होगी। हमें उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होंगे। इस सीजन में उन्होंने अविश्वसनीय मेहनत की है, लेकिन अंततः शरीर ने संकेत दिया कि अब ब्रेक की जरूरत है।

हालांकि, मैन सिटी के लिए राहत की खबर यह रही कि विंगर जैक ग्रीलिश की चोट गंभीर नहीं है।

गार्डियोला ने कहा, यह मनु की चोट जितनी गंभीर नहीं है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह न्यूकैसल के खिलाफ खेलने के लिए तैयार होंगे या नहीं।

मैनचेस्टर सिटी अगले बुधवार को सैंटियागो बर्नब्यू में रियल मैड्रिड से मिली हार का बदला लेने की कोशिश करेगी।

एफआईएस अल्पाइन स्कीइंग विश्व चैम्पियनशिप

ऑस्ट्रिया में एफआईएस अल्पाइन स्कीइंग विश्व चैम्पियनशिप में खेलते हुए रफेल रेसर।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज सोनी बेकर को विकास अनुबंध दिया

लंदन

हैम्पशायर के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज सोनी बेकर को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा इंग्लिश पुरुष टीम का विकास अनुबंध प्रदान किया गया है। उन्होंने लायंस के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर यह अवसर अर्जित किया।

इंग्लैंड के पूर्व अंडर-19 खिलाड़ी बेकर, सर्दियों में हैम्पशायर में शामिल होने से पहले समरसेट के लिए खेलते थे। उन्हें इंग्लैंड लायंस के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बुलाया गया था, जहाँ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ़ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की और अंतिम दौरे के मैच में 60 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

उनके प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ङ्गद्ध के खिलाफ़ 71 रन देकर 5 विकेट लेना भी शामिल था। इस शानदार प्रदर्शन ने लायंस के मुख्य कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ़ को प्रभावित किया, जिसके बाद ईसीबी ने उन्हें सितंबर तक अनुबंधित कर लिया।

फ्लिंटॉफ ने कहा, सर्दियों में सोनी को उभरते हुए देखना बहुत खुशी की बात है। मैं और वह चरित्र और व्यक्तित्व में बहुत अलग हैं, लेकिन थ्री लॉयन्स पहनने में उन्हें जो गर्व महसूस होता है, हर गेंद पर जो ऊर्जा लाते हैं और पिच पर जो नाटक और जादू करते हैं, उसे देखना बेहद प्रेरणादायक है। उनके खेल के प्रति व्यावसायिकता और समर्पण सभी खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल है। सोनी का भविष्य उवल है और हम आने वाले वर्षों में उनके और हैम्पशायर के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

बेकर की इस उपलब्धि से इंग्लैंड क्रिकेट में एक और युवा प्रतिभा का उदय हुआ है और आगामी टूर्नामेंटों में उनसे बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

हार्दिक पांड्या की पूर्व पत्नी नताशा का दर्द भरा पोस्ट

मुंबई

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और मॉडल नताशा स्टेनकोविक के रिश्ते में मुश्किलें आ गईं, और अब तलाक के छह महीने बाद नताशा सोशल मीडिया पर अपनी भावनाओं को साझा किया है। उन्होंने एक पोस्ट में जीवन के परिवर्तनशील और असुविधाजनक चरणों के बारे में लिखा। नताशा ने लिखा, आप खोए नहीं हैं, आप बस अपने जीवन के एक असुविधाजनक चरण में हैं जहां आपका पुराना स्व चला गया है लेकिन आपका नया स्व अभी तक पूरी तरह से पैदा नहीं हुआ है। आप परिवर्तन के बीच में हैं। इस पोस्ट के जरिए नताशा ने अपने अंदर की निराशा और असमंजस को व्यक्त किया।

बता दें कि हार्दिक और नताशा की प्रेम कहानी 2018 में शुरू हुई थी, जब दोनों मुंबई के एक नाइट क्लब में मिले थे। 2018 में हार्दिक ने नताशा के साथ जन्मदिन समारोह में पहली बार अपनी दोस्ती को सार्वजनिक किया था। 1 जनवरी 2020 को दोनों ने एक नौका पर अपनी सगाई की घोषणा कर सोशल मीडिया पर अपने पल को साझा किया। मई 2020 में, कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उन्होंने कोर्ट मैरिज की और बाद में नताशा की गर्भावस्था की घोषणा की। 30 जुलाई 2020 को उनके घर बेटे अगस्त्य पंड्या का जन्म हुआ, जिससे उनके रिश्ते में एक नई खुशी आई। 14 फरवरी 2023 को हार्दिक और नताशा ने उदयपुर में हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों से फिर से शादी की थी। हालांकि, बाद में दोनों के रिश्ते में समस्याएं शुरू हुई। मई 2024 में अफवाहें फैलने लगीं कि उनकी शादी टूटने वाली है, जब नताशा ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल से पांड्या सरनेम हटा लिया था और हार्दिक के जन्मदिन या आईपीएल मैचों के दौरान कोई अपडेट नहीं दिया। 18 जुलाई 2024 को दोनों ने आधिकारिक तौर पर अपने अलगाव की घोषणा की, यह बताते हुए कि चार साल एक साथ रहने के बाद उन्होंने परस्पर रूप से अलग होने का निर्णय लिया था।

अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग : भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे सचिन

नई दिल्ली । इस माह 22 फरवरी से शुरु होने जा रही अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर करेंगे जबकि श्रीलंकाई टीम की कप्तानी दिग्गज कुमार संगकारा को मिली है। पूर्व क्रिकेटरों की इस लीग से प्रशंसकों को एक बार फिर अपने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। ये टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय टीम में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के अलावा सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस लीग के उद्घाटन संस्करण को लेकर इरफ़ान पठान ने कहा कि मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग की याद दिलाता है। साथ ही कि कि मैं इस सत्र में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं पर मैं क्रिकेट प्रशंसकों को ये भरोसा देता हूं कि हम मैदान पर अपनी ओर से कोई कमी नहीं रहेंगे। हम खिताबी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

प्लास्टिक के डिब्बों में खाना खाने से बढ़ सकता है हार्ट फेलियर का खतरा

मॉडर्न लाइफस्टाइल में प्लास्टिक का इस्तेमाल हर जगह देखने को मिलता है। खाने-पीने की चीजों से लेकर घरेलू सामान तक, प्लास्टिक हमारी डेली लाइफ का अहम हिस्सा बन चुका है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक के डिब्बों में खाना खाने से हमारी सेहत पर गंभीर असर पड़ सकते हैं? हाल ही में हुई एक नई स्टडी में यह बात सामने आई है कि प्लास्टिक के डिब्बों में खाना खाने से हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। यह अध्ययन हेल्थ एक्सपर्ट्स और आम लोगों के बीच चिंता का विषय बन गया है। आइए, इस विषय पर विस्तार से चर्चा करते हैं और जानते हैं कि प्लास्टिक हमारे दिल के लिए कैसे खतरनाक हो सकता है। एक नई स्टडी में सामने आया है कि प्लास्टिक के कंटेनरों में खाना खाने से दिल की गंभीर बीमारी, खासकर कंजेस्टिव हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण हमारे पेट में जाकर सूजन और सर्कुलेटरी सिस्टम को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे ये खतरा पैदा होता है। ये रिसर्च Science-direct.com पर छपी है।

शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक के बर्तनों में खाने और दिल की बीमारियों के खतरे के बीच संबंध जानने के लिए एक रिसर्च की। इस रिसर्च में दो स्टेप्स थे। पहले स्टेप में, उन्होंने 3000 से ज्यादा चाइनीज लोगों के खाने के तरीकों का स्टडी किया। उन्होंने पाया कि जो लोग अक्सर प्लास्टिक के बर्तनों में खाना खाते थे, उनमें दिल की बीमारियों का खतरा ज्यादा था। दूसरे स्टेप में, उन्होंने चूहों पर एक एक्सपेरिमेंट किया। चूहों को ऐसे पानी में रखा गया जिसमें काले प्लास्टिक के बर्तनों से केमिकल निकल रहे थे। इस एक्सपेरिमेंट से साफ हुआ कि बार-बार प्लास्टिक के केमिकल्स के संपर्क में आने से चूहों में हार्ट फेलियर के लक्षण दिखाई देने लगे। यह रिसर्च दिखाती है कि प्लास्टिक के बर्तनों में खाना खाने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए, खाने को स्टोर करने और खाने के लिए प्लास्टिक के बर्तनों का इस्तेमाल कम करना बेहतर है। प्लास्टिक के डिब्बों में खाना रखने से छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण खाने में मिल जाते हैं और हमारे पेट तक पहुंच जाते हैं। ये कण पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे पेट की दीवार में छेद हो जाते हैं। इससे हानिकारक चीजें खून में मिल जाती हैं और सूजन हो जाती है। यह सूजन खून के बहाव को प्रभावित करती है और दिल पर बुरा असर डालती है। खाने की चीजों को प्लास्टिक में रखने से हमारी सेहत पर क्या असर होता है, इस बारे में वैज्ञानिकों ने कुछ नई बातें बताई हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि प्लास्टिक से कुछ हानिकारक रसायन निकलते हैं जो हमारे पेट में रहने वाले अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि, अभी तक यह पूरी तरह से पता नहीं चल पाया है कि प्लास्टिक से कौन-कौन से रसायन निकलते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि प्लास्टिक के डिब्बों में खाना खाने से हमारी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए, हमें प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल कम करना चाहिए और खाने की चीजों को रखने के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार करना चाहिए। प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने के लिए, आप कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं। सबसे पहले, जब भी मुमकिन हो, प्लास्टिक की जगह कांच या स्टेनलेस स्टील के बर्तन इस्तेमाल करें। दूसरा, कभी भी गरम खाना प्लास्टिक के बर्तनों में न रखें, क्योंकि इससे हानिकारक कैमिकल खाने में घुल सकते हैं। तीसरा, ऐसे रेस्टोरेंट चुनें जो खाने के लिए इको-फ्रेंडली कंटेनर इस्तेमाल करते हैं, यानी प्लास्टिक की जगह ऐसे बर्तन जो पर्यावरण के लिए सही हों।

मिया खलीफा पर आया बुजुर्ग का दिल करवा चौथ पर रखा निर्जला व्रत

सुहागन महिलाओं के लिए करवा चौथ का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है इसके बाद रात में चांद की पूजा करने के बाद पति के हाथों से पानी पीकर अपना व्रत खोलती हैं। बीते कुछ सालों से पति भी अपनी पत्नी के लिए ये व्रत रखते हैं। लेकिन इस साल एक बुजुर्ग व्यक्ति ने जो किया वो देख कर हर कोई हैरान है। सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसे देख कर लोगों की हंसी नहीं रूक रही है। दरअसल, बुजुर्ग ने करवा चौथ का व्रत रखा था। लेकिन ये व्रत बुजुर्ग ने अपनी पत्नी के लिए बल्कि अडल्ट फिल्म में काम करने वाली अदाकारा मिया खलीफा के लिए रखा था। बुजुर्ग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और इस पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग इस वीडियो पर गुस्सा भी जाहिर कर रहे हैं। वायरल वीडियो में एक उम्रदराज शख्स हाथ में छन्नी और करवाचौथ की थाली लिए नजर आते हैं। छत पर खड़े होकर पहले वह छन्नी से चांद को देखते हैं और उसके बाद दीवार पर लगी मिया खलीफा की तस्वीर को छन्नी से देखते हैं। इस वीडियो को देखने के बाद कुछ लोगों की हंसी छूट गई तो वहीं कुछ यूजर्स ने आपत्ति जताई है। लोगों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि करवा चौथ पति-पत्नी के निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक है जिसका इस तरह से मजाक बनाना बिल्कुल गलत है।

छावा ने पहले दिन की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

छत्रपति संभाजी महाराज की वीरगाथा बताने वाली लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित फिल्म *छावा* आखिरकार स्क्रीन पर आ गई है। विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना अभिनीत फिल्म छावा की रिलीज के बाद यह फिल्म चर्चा का विषय बन गई है। दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखकर अभिभूत हैं। फिल्म को शानदार ओपनिंग मिली है। फिल्म छावा देखने के लिए दर्शक उमड़ रहे हैं। फिल्म को दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म देखने के बाद दर्शक सोशल मीडिया पर फिल्म के बारे में अपने विचार शेयर कर रहे हैं। विक्की कौशल, अक्षय खन्ना, रश्मिका मंदाना और अन्य कलाकारों का काम अद्भुत है। कुल मिलाकर दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई। फिल्म की पहले दिन की कमाईफिल्म ने अग्रिम बुकिंग से अच्छी कमाई की। उसके बाद अब पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन ही 31 करोड़ रुपए की शानदार कमाई कर ली है। इसी के साथ फिल्म छावा विक्की कौशल की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले उनकी *उरी* और *बैड न्यूज* ने 9 और 8 करोड़ रुपए कमाए थे। छावा को मिल रही प्रतिक्रिया को देखते हुए, आने वाले दिनों में फिल्म कई रिकॉर्ड तोड़ सकती है। छत्रपति संभाजी महाराज पर बनी इस फिल्म को बनाने के लिए लक्ष्मण उटेकर ने 4 साल तक अध्ययन किया है। इस फिल्म के लिए कलाकारों ने भी खूब मेहनत की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्माताओं ने इस फिल्म के निर्माण पर करीब 130 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह जल्द ही अपना बजट वसूल कर लेगी। छावा में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना, विनीत सिंह, आशुतोष राणा, संतोष जुवेकर, सारंग सत्ये, सुव्रत जोशी, नीलाकांति पाटेकर, शुभंकर एकबोटे, दिव्या दत्ता, नील भूपलम, प्रदीप राम सिंह रावत, डायना पेंटी, रोहित पाठक आदि कलाकार शामिल हैं।

बाल कला

लकी कुमारी
कक्षा : पांच, रोल नं. : 14
स्कूल : राष्ट्रीय शिक्षा सदन, गोपीनाथ नगर, गुवाहाटी

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**